@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 5 जून 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 211 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मानसून केरलम पहुंचा

• इस बार 3 दिन लेटः 7 दिन तक भारी बारिश का अनुमान

एमपी-राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। मानसून की केरलम में एंट्री हो गई है। इसके असर से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

13 साल में 7वीं बार लेट हुआ मानसून

मानसून की लेट-लतीफी पिछले कई सालों से जारी है। पिछले 13 साल में यह 7वीं बार है जब मानसून लेट हुआ है।

गले दो दिन के मौसम का हाल

5 जूनः राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान की आशंका के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शनिवार तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरलम, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में तेज बारिश होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने का भी अनुमान लगाया है।

मालवीय नगर अग्निकांड :

कोई एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट नहीं

शॉर्ट सर्किट से लगी थी रेस्टोमेंट में आग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। जांच टीम को घटना के दौरान किसी भी एलपीजी सिलेंडर में धमाका होने का कोई सबूत नहीं मिला है। सूत्रों ने दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि आग इतनी तब फैलती है, जब इंटरनल वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ हो। सूत्रों के अनुसार, होटल के बेसमेंट और टॉप फ्लोर पर 2 किचन बने हुए थे। दोनों

किचन के अंदर एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे। इन सिलेंडरों में कोई ब्लास्ट नहीं हुआ। हालांकि, मालवीय नगर के रेस्टोरेंट में आग लगने की सही वजह का पता लगाने के लिए अभी भी जांच चल रही है।

सीबीएसई ने त्रि-भाषा फार्मूला मनमाने ढंग से लागू कियाः कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और कक्षा 9 एवं 10 में त्रि-भाषा फार्मूले को जल्दबाजी में और मनमाने तरीके से लागू करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि इससे शैक्षणिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त हो जाएगी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुरुवार को कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने पाठ्यक्रम समिति की सिफारिश को स्पष्ट रूप से मंजूरी दी थी कि एनसीईआरटी द्वारा ग्रेडेड पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रहे। इस निर्णय पर तत्कालीन चेयरमैन और सचिव ने हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने परिपत्र जारी कर 01 जुलाई से कक्षा 9 एवं 10 में तीसरी भाषा जोड़ने का निर्देश दिया और स्कूलों से कहा कि वे कक्षा 6 की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से 9वीं के छात्रों को पढ़ाएं। उन्होंने सवाल किया कि पिछले छह महीनों में आखिर क्या बदला, जबकि एनसीईआरटी ने कक्षा 9 एवं 10 के लिए कोई नई भाषा पाठ्यपुस्तक जारी नहीं की है। इस कदम का कोई शैक्षणिक औचित्य नहीं है और इससे लाखों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है।

मोदी सरकार के 12 वर्षः चलेगा जनभागीदारी अभियान, गांवों में रात्रि प्रवास करेंगे मंत्री, सीएम ने की समीक्षा

लखनऊ। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर उत्तर प्रदेश में 5 से 21 जून तक बड़े पैमाने पर जनभागीदारी अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर चौपाल, पदयात्रा, जनसंवाद और रात्रि प्रवास के जरिये जनता से संवाद करेंगे। मंत्री, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कानून-व्यवस्था, आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा और केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जून को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में कम से कम पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में काम करने को कहा। स्वच्छता अभियान भी चलेगा- सीएम ने निर्देश दिए कि इस अवधि में स्वच्छता अभियान को विशेष रूप से चलाया जाए। 14 से 16 जून तक विकासखंड स्तर पर जनकल्याण शिविर और स्वास्थ्य मेलों का आयोजन कर पात्र व वंचित लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपाल आयोजित कर जनसमस्याओं के समाधान और शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परीक्षा में कोई लापरवाही न हो- बैठक में पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के महानिदेशक ने बताया कि आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून को दो पालियों में आयोजित होगी।

राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय कमेटी द्वारा पंजाब में जनगणना के प्रथम चरण की प्रगति की समीक्षा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 4 जून। आज पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय कमेटी (एस.एल.सी.सी.सी.) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यभर में चल रहे जनगणना 2027 के प्रथम चरण—गृह सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) एवं आवास जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जनगणना संबंधी राज्य नोडल अधिकारी एवं प्रशासनिक सचिव, स्थानीय निकाय विभाग श्री घनश्याम थोरी के अलावा योजना, वित्त, ग्रामीण विकास तथा शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जो कमेटी के सदस्य भी हैं। बैठक में पंजाब के सभी प्रमुख जनगणना अधिकारियों (उपायुक्तों एवं नगर निगम आयुक्तों) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। यह बैठक

जनगणना संचालन, पंजाब के निदेशक डॉ. नवजोत खोसा द्वारा बुलाई गई थी। बैठक के दौरान प्रथम चरण के जनगणना कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें गृह सूचीकरण एवं आवास जनगणना संचालन (एच.एल.ओ.), गृह सूचीकरण ब्लॉकों (एच.एल.बी.) का सृजन एवं पूर्णता तथा आंकड़ों के संग्रहण की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु अपनाई जा रही विभिन्न प्रक्रियाएं शामिल थीं। मुख्य सचिव ने जनगणना कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के महत्व पर बल दिया, क्योंकि यही तथ्य-आधारित योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण की आधारशिला हैं। डॉ. नवजोत खोसा ने कमेटी को बताया कि वर्तमान में पंजाब भर में कुल 52,365 गृह सूचीकरण ब्लॉकों पर कार्य चल रहा है। बैठक में बताया गया कि पांच जिलों—बरनाला, फाजिल्का, मलेरकोटला, मोगा और शहीद भगत सिंह नगर तथा पांच नगर निगमों—बरनाला, अबोहर, मोगा, होशियारपुर और बटाला ने प्रभावी फील्ड लामबंदी, कुशल एवं मजबूत निगरानी के माध्यम से सराहनीय प्रदर्शन किया है। मुख्य सचिव ने जनगणना गतिविधियों के क्रियान्वयन में सकारात्मक मानदंड स्थापित करने के लिए इन जिलों और नगर निगमों के प्रयासों की प्रशंसा की। जिला-वार प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा ने अब तक के कार्य पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि केवल कुछ जिले एवं शहरी स्थानीय निकाय ही निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फील्ड कार्यों में तेजी लाने तथा अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी प्रमुख जनगणना अधिकारियों को गृह सूचीकरण ब्लॉकों की 100 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी प्रमुख जनगणना अधिकारियों को जनगणना कार्यों की निकट एवं निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि चरण-1 के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा किया जा सके। अधिकारियों को नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा एकत्र किए जा रहे आंकड़ों की पूर्णता एवं शुद्धता की पुष्टि के लिए आकस्मिक फील्ड निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए। जनगणना प्रक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण जनगणना मानकों की निगरानी तथा आंकड़ों की गुणवत्ता एवं एकरूपता के उच्च मानकों को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। जनभागीदारी एवं सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव ने जिला प्रशासनों को जनगणना गतिविधियों से संबंधित गलतफहमियों एवं नकारात्मक प्रचार को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से प्रेस विज्ञप्तियां जारी करने तथा जन-जागरूकता अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने नागरिकों के सहयोग को प्रोत्साहित करने और फील्ड कार्यों के सुचारु संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विश्वास निर्माण उपायों तथा पारदर्शी संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख जनगणना अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे फील्ड कार्यों में लगे गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों के लिए गर्मी संबंधी परामर्श एवं आवश्यक सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। जनगणना अभियान के दौरान फील्ड कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त जलापूर्ति (हाइड्रेशन), कार्य समय में आवश्यक समायोजन तथा जागरूकता संबंधी उपायों सहित उचित सावधानियां अपनाने की भी सलाह दी गई। निर्धारित समय-सारिणी के पालन के महत्व को दोहराते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि चरण-1 के अंतर्गत जनगणना कार्य जून 2026 के दूसरे सप्ताह से पहले पूरी तरह समाप्त कर लिया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि समय-सीमा में किसी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा, क्योंकि जनगणना 2027 के चरण-1 के अंतर्गत पंजाब में गृह सूचीकरण एवं आवास संचालन के लिए अधिसूचित अवधि 15 मई 2026 से 13 जून 2026 तक निर्धारित है। यह बैठक सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा समन्वित प्रयासों, सख्त निगरानी तथा प्रभावी क्षेत्रीय क्रियान्वयन के माध्यम से पंजाब भर में जनगणना चरण-1 के कार्यों को सफलतापूर्वक, समय पर और पूर्ण रूप से संपन्न कराने की नई प्रतिबद्धता के साथ इसका समापन हुआ

गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी

सीजेआई बोले– आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं इस सोच को बदलना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक लेख में लिखा- भारत के विकास की चर्चा महानगरों, उद्योगों, तकनीक और आधुनिक संरचना के संदर्भ में की जाती है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और तीव्र आर्थिक गतिविधियां प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं, किंतु इस विकास यात्रा के बीच अहम सवाल हमारे सामने खड़ा है- क्या हम अनजाने में गांवों की मूल आत्मा खो रहे हैं? क्या विकास का अर्थ यह होना चाहिए कि गांव धीरे-धीरे शहर का रूप ले लें? अथवा हमें ऐसा भारत निर्मित करना चाहिए, जहां गांव अपनी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक आत्मीयता और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से भी सम्पन्न हों? यह पूरे भारत के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, लेकिन हरियाणा के गांवों का उल्लेख इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वहां आज भी सामुदायिक जीवन, श्रम संस्कृति आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता की परंपरा जीवंत है।

उन्होंने कहा कि यही स्थिति देश के अनेक राज्यों के गांवों में भी दिखाई देती है। भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। यदि गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी। असली चुनौती यह है कि विकास पहुंचाते समय गांवों को 'शहर' बनने से कैसे बचाया जाए। गांवों में सड़कें हों, आधुनिक विद्यालय, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल सुविधाएं, रोजगार के अवसर हों, यह जरूरी है लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि गांवों की सामाजिक संरचना, सामूहिकता, पर्यावरणीय संतुलन व मानवीय निकटता सुरक्षित रहे।

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण केवल आर्थिक नहीं है। कई बार यह स्वाभाविक धारणा भी होती है कि सम्मानजनक जीवन, अवसर और आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं। यदि हमें गांवों को सशक्त बनाना है और इस सोच को बदलना है, तो हमें इस पलायन को हतोत्साहित करना होगा। जब युवाओं को यह अनुभव होगा कि वे अपने गांव में रहकर भी सम्मान, अवसर और प्रगति हासिल कर सकते हैं, तभी पलायन की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से कम होगी।

सीजेआई ने कहा कि ग्रामीण जीवन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। गांवों की सबसे बड़ी शक्ति उनका सामाजिक ताना-बाना है। शहरों में व्यक्ति अक्सर भीड़ के बीच भी अकेला हो जाता है, जबकि गांवों में समुदाय अभी भी जीवन का केंद्र बना हुआ है। परिवार, पड़ोस, सामूहिक सहयोग, पारस्परिक उत्तरदायित्व...ये वे मूल्य हैं, जो भारतीय समाज को स्थिरता प्रदान करते हैं। यदि गांवों का भी अत्यधिक नगरीकरण हो गया तो केवल भौतिक संरचना ही नहीं बदलेगी, हमारे सामाजिक संबंधों की प्रकृति भी बदल जाएगी।

भारत के गांव केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, वे भविष्य की संभावना भी हैं। आज विश्वभर में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण व सामुदायिक जीवन के महत्व पर फिर बल दिया जा रहा है। भारतीय गांव इन मूल्यों के स्वाभाविक केंद्र रहे हैं। हम संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं तो गांव आधुनिक सुविधाओं व पारंपरिक सामाजिक शक्ति का उत्कृष्ट संगम बन सकते हैं। भारत की प्रगति का सही मापदंड सिर्फ यह नहीं होगा कि शहर कितने विकसित हुए, बल्कि यह होगा कि गांव कितने आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सम्मानपूर्ण बने। यदि गांवों का युवा अपने भविष्य को गांव से जोड़कर देखे, किसान अपने श्रम पर गर्व अनुभव करे, महिलाओं को समान अवसर व सुरक्षा मिले और हर ग्रामीण परिवार को यह महसूस हो कि संविधान की शक्ति जीवन को स्पर्श कर रही है, तभी विकास वास्तव में समावेशी व सार्थक कहलाएगा।

दिल्ली अग्निकांड के बाद यूपी में इमारतों, होटलों के सुरक्षा ऑडिट का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में एक रेस्तरां में लगी भीषण आग, जिसमें 21 लोगों की दुखद मौत हो गई, ने उत्तर प्रदेश सरकार को हरकत में ला दिया है। इस त्रासदी का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य भर के सभी होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए गुरुवार को विशेष सुरक्षा जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अग्निशमन विभागों सहित कई अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत सक्रिय होने का निर्देश दिया। उनके आदेशानुसार, सभी ऊंची इमारतों, कार्यालयों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें पर्याप्त और कार्यशील अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित हों। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री ने सभी होटलों की गहन सुरक्षा जांच करने और उसकी विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों की पुष्टि करते हुए, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने बताया कि विशेष टीमें पहले से ही स्थानीय होटलों का सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने कहा, सभी होटलों और विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाए जा रहे हैंज यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।इस बीच, उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दिल्ली में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि जिला मजिस्ट्रेटों और स्थानीय अधिकारियों को सुरक्षा अनुपालन को और अधिक सख्ती से लागू करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। खन्ना ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

मां वैष्णो देवी दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू

जम्मू (एजेंसी)। कटरा में मां वैष्णो देवी के दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू कर दी गई है। इसके चलते अब श्रद्धालुओं को माता रानी के दर्शन करने में आसानी होगी। जानकारी के मुताबिक उक्त रैपिडो सेवा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाणगंगा रूट पर उपलब्ध है। अगर रेट की बात करें तो श्रद्धालुओं को बहुत ही कम पैसे में यह सेवा मिल रही है। इस रैपिडो सेवा में बाइक, ऑटो और कार के जरिए श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन तक यात्रा कर सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाइक राइड 35 रुपए, ऑटो राइड 91 रुपए, कार राइड 156 रुपए और प्रीमियम कार राइड 176 रुपए के आसपास होगी।

कर्नाटक में छात्रों को फ्री बस सुविधा, नए मुख्यमंत्री का पहला फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पद की शपथ लेते ही छात्रों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने छात्रों को मुफ्त बस पास देने की घोषणा की। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत जोड़ो युवा संघ' के गठन का भी ऐलान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देगी। उनके इस पहले फैसले को छात्रों और युवा वर्ग के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से फैली सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे लाइन के किनारे तीन शव पड़े होने की सूचना मिलने के बाद जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 8 से 9 किलोमीटर दूर स्थित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच के बाद तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मृतकों में से एक युवक की पहचान घटनास्थल से मिले आधार कार्ड से बबलू सोरेन के रूप में हुई है। वह गोमिया प्रखंड के बरकी पुनु गांव निवासी सूरजलाल सोरेन का पुत्र बताया गया है। दूसरे मृतक दीपक सोरेन है, हालांकि पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। तीसरे युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क कर रही है। जांच में पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक बाइक भी बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि तीनों युवक किसी ट्रेन की चपेट में आए होंगे। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

हैदराबाद के हेलमेट बाजार में भीषण आग, दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले अमीरपेट इलाके में स्थित हेलमेट बाजार में गुरुवार को भीषण आग लग गई, इस आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें खाक कर दिया। गनीमत रही कि इस बड़े अग्निकांड में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने व बचाव कार्यों में जुट गईं। रिपोर्ट के अनुसार, दमकल कर्मी आग की लपटों पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने पर सघन अभियान चला रहे हैं। चूंकि यह एक बेहद घना कारोबारी क्षेत्र है, इसलिए उनकी सबसे पहली प्राथमिकता आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और दुकानों तक फैलने से रोकना है। आग के कारण कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं, जिससे लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में बाजार परिसर से धुएं का घना गुबार आसमान की तरफ उठता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं दमकल कर्मी लगातार इस भयानक आग से जूझते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन और बचाव कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए अधिकारियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यातायात (ट्रैफिक) को भी घटनास्थल के आसपास नियंत्रित किया गया है, ताकि दमकल और बचाव टीमों को बिना किसी बाधा के काम करने का अवसर मिल सके।

कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई

पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा पर सांसद चतुर्वेदी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई की टिप्पणी के बाद बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले अपने जनाधार का विस्तार करने के उद्देश्य से पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा की। अब इस पर घमासान छिड़ गया है। दरअसल पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रवक्ताओं में महिला की नियुक्ति न होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत दीपके द्वारा बनाई सीजेपी ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खोजी पत्रकार सौरव दास पार्टी के मुख्य प्रवक्ता होंगे, जबकि राजनीतिक शोधकर्ता एवं फिल्म निर्माता विजेता दहिया और पूर्व प्रबंधन सलाहकार आशुतोष रांका जनता और मीडिया के सामने संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी ने कहा कि सीजेपी भारत के राजनीतिक विमर्श की दिशा बदलने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बदलाव का नेतृत्व नई पीढ़ी के नेता करेंगे। इन नियुक्तियों की घोषणा अभिजीत दीपके के 6 जून को भारत लौटने के तय कार्यक्रम से कुछ दिन पहले की गई है। पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों प्रवक्ताओं की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत संस्थापक, सह-संस्थापक और प्रवक्ता के रूप में 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। उन्होंने कहा कि ठीक है अब और जानने के लिए उत्सुक हूं। प्रियंका चतुर्वेदी की इस पोस्ट के कुछ देर बात ही अभिजीत दीपके ने महिला प्रवक्ता की नियुक्ति न होने को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी महिला टीम सदस्यों को यह भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कई महिलाओं ने कहा कि वे लगातार हो रहे ऑनलाइन हमलों और धमकियों के कारण आगे आकर सक्रिय रूप से शामिल हुए बिना ही अपनी भागीदारी निभाएंगी। हम उनके इस फैसला का सम्मान करते हैं। दीपके ने कहा कि इसके साथ ही हम उन युवा महिलाओं को आमंत्रित करना चाहते हैं जो इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहती हैं और प्रवक्ता के रूप में आगे आने को तैयार हैं, वे हमसे जुड़ें।

दिल्ली के बाद अब फिरोजपुर के रेस्टोरेंट में लगी आग, एक की मौत

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर कैंट में गुरुवार को मशहूर रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक नैवेद्यम स्वीट्स एंड बेकर्स फिरोजपुर, पंजाब में स्थित एक बेहद लोकप्रिय और जानी-मानी बेकरी व रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट में लगी भयानक आग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूर-दूर तक धुआं दिखाई देने लगा। मौके पर तुरन्त फायर ब्रिगेड पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक रेस्टोरेंट में लगी आग में तुलसी नाम के एक कर्मचारी की जलने से मौत हो गई है। जब आग लगी तो किसी को नहीं पता था कि यह कर्मचारी रेस्टोरेंट के अंदर है। जब फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझा रहे थे तो उन्होंने इस जले हुए व्यक्ति को देखा, जिसे बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। तो उसकी मौत हो चुकी थी। डीएसपी सिटी फिरोजपुर ने कहा कि आग में जलकर मरे इस युवक की मौत के मामले में पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के अंदरूनी हिस्से में लगी जहां फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य सामग्री पड़ी थी जिससे नुकसान हुआ। ऊपर मंजिल पर आग लगी, जहां पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। इसलिए आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बड़ी चिंता रेस्टोरेंट में रखा गैस सिलेंडरों को लेकर थी, अगर आग फैलती तो वहां बड़ा धमाका हो सकता था। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बहुत ही सावधानी से गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला।

राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस का बड़ा दांव, कर्नाटक से कौन जाएगा दिल्ली?

वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा के नाम चर्चा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी राज्यसभा चुनावों के मद्देनजर, कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में अहम रणनीति पर काम कर रही है। कर्नाटक राज्य की चार सीटों में से तीन पर जीत की प्रबल संभावना के साथ, पार्टी हाईकमान कर्नाटक से बाहर के किसी बड़े नेता को उच्च सदन भेजने का बड़ा दांव चल सकता है।

रिपोर्टों के अनुसार, वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा जैसे नेता कर्नाटक से राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क में हैं। इसमें शर्मिला का नाम सबसे ऊपर है, जिन्होंने इसी साल जनवरी में अपनी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने के बाद, उन्हें एक मजबूत दावेदार बताया जा रहा है। दूसरी प्रमुख दावेदार सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन की अध्यक्ष हैं, जो अपनी मुखर शैली और टीवी बहसों में पार्टी का प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए जानी जाती हैं। तीसरे नाम पवन खेड़ा का है, जो हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े एक मामले और नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमलों के कारण सुर्खियों में रहे हैं।

कर्नाटक से राज्य के बाहर के नेताओं को राज्यसभा भेजने का इतिहास रहा है। 2024 में कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन को मनोनीत किया था। वहीं भाजपा ने भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जैसे गैर-कर्नाटक नेताओं को इसी राज्य से उच्च सदन भेजा है। अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार जल्द ही नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से परामर्श कर उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने वाले है।

वहीं कांग्रेस पार्टी के भीतर कुछ नेता सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजने के पक्ष में हैं, हालांकि उन्होंने राज्य की राजनीति में सक्रिय रहने की अपनी इच्छा जाहिर की है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के भी राज्यसभा के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, यदि पार्टी वीरशैव-लिंगायत समुदाय से उम्मीदवार नामित करती है, तब उसके महासचिव बसवराजु एपी एक मजबूत दावेदार हैं, क्योंकि पिछले 25 वर्षों में इस समुदाय से कोई कांग्रेस नेता राज्यसभा नहीं पहुंचा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद का विधान परिषद में कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है। उनके नाम पर भी चर्चा चल रही है, हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे विधान परिषद में एक और कार्यकाल या मंत्री पद के इच्छुक हैं। 18 जून को विधानसभा निर्वाचक मंडल की सात विधान परिषद सीटों के लिए भी चुनाव होंगे, जहाँ कांग्रेस को चार सीटें जीतने की उम्मीद है। राज्य में सत्ता में होने के कारण, कई नेता राज्यसभा सदस्य बनने के बजाय एमएलसी बनने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अब अपने जन्म दिन पर नई पार्टी का ऐलान करेंगे अन्नामलाई?

भाजपा से इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में सियासी भूचाल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी से के अन्नामलाई ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे राज्य के सियासी गलियारों में भारी हलचल मच गई है। आज उनके 42वें जन्मदिन के अवसर पर यह कयास बेहद तेज हो गए हैं कि वह किसी नई पार्टी या एक स्वतंत्र आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अन्नामलाई भाजपा से अलग होकर तमिलनाडु में अपनी खुद की स्वतंत्र जमीन तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, बीते 2 जून को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई उनकी मुलाकात के बाद शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने की सलाह दी थी, लेकिन इससे पहले वह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन को अपना इस्तीफा सौंप चुके थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से असमंजस में दिखाई दे रहा था, जब भाजपा आलाकमान ने उन्हें पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही पार्टी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया, जिसके बाद से अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे थे।

साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़ राजनीति में आने वाले अन्नामलाई का ग्राफ बेहद तेजी से बढ़ा था और वह महज 10 महीने के भीतर राज्य के सबसे युवा भाजपा अध्यक्ष बन गए थे। उनके आक्रामक नेतृत्व में पार्टी ने दो दशकों बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतकर राज्य में वापसी की थी। इतना ही नहीं, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 3.66 प्रतिशत से बढ़कर सीधे 11.24 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके विपरीत, नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा और वह महज एक सीट पर सिमट गई।

भाजपा की धड़कने बढ़ी

अन्नामलाई के इस्तीफे की खबरों के बीच कोयंबटूर और मदुरै जैसे बड़े शहरों में लगे पोस्टरों ने भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें पूरी तरह गायब हैं, जबकि अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इस असमंजस के कारण भाजपा के भीतर इस्तीफों का दौर भी शुरू हो गया है; मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एमसी मुनुसामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी निराशा देखी जा रही है।

सीजेपी को शशि थरूर की नसीहत, बोले– इंस्टाग्राम मंच है, बैलट बॉक्स नहीं

–युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' अभियान के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने देश के युवाओं, खासकर जेन-जी पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने का प्रभावी मंच हो सकता है, लेकिन वास्तविक परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है।

दरअसल कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक लेख में कहा, कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसे अभियानों ने उन युवाओं की भावनाओं को सामने लाया है जो रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सार्वजनिक संस्थानों को लेकर निराश हैं। उन्होंने युवाओं से कहा, ÷इंस्टाग्राम आपका सार्वजनिक मंच है, लेकिन यह बैलट बॉक्स नहीं है।÷ थरूर ने युवाओं को अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपने विधायक और सांसदों के कार्यालयों तक पहुंचना चाहिए तथा समस्याओं के समाधान के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी बात कही। कांग्रेस सांसद ने कहा कि केवल निराशा व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए और उन्हें ऐसे मुद्दों से जोड़ना चाहिए जिन पर कार्रवाई संभव हो। उनके अनुसार, संगठित और तथ्याधारित जनदबाव से मीडिया और जनप्रतिनिधियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया जा सकता है। कांग्रेस नेता थरूर ने छात्र संगठनों, कानूनी सहायता समूहों और नीति-आधारित संस्थाओं के साथ जुड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास के सफल जनआंदोलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ संगठन निर्माण, नीति-निर्माण, लॉबिंग और कानूनी लड़ाइयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने युवाओं को यह भी याद दिलाया कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अभी भी बदलाव का अवसर प्रदान करती हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की दिशा में काम करना चाहिए। थरूर के अनुसार, देश की युवा आबादी भारत के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती है और उसे निराशा के बजाय रचनात्मक भागीदारी का रास्ता चुनना चाहिए।

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर वाला पहला देश बना चीन, भारत दूसरे नंबर पर

–डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी मजबूत, वहां गूगल, अमेजन जैसे प्लेटफार्म नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट आज दुनिया की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। अरबों लोग रोजाना ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं आज दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर किस देश में हैं? भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के बावजूद पहले नंबर पर नहीं है। यह रिकॉर्ड चीन के नाम है जहां इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2025 के अंत तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या करीब 1.3 अरब तक पहुंच चुकी है। यह संख्या इतनी बड़ी है कि दुनिया के कुल इंटरनेट यूजर्स में हर पांचवां व्यक्ति चीन का निवासी है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की इंटरनेट पहुंच भी 80 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है यानी अधिकांश आबादी अब ऑनलाइन से जुड़ चुकी है। दूसरी ओर भारत करीब 80.6 करोड़ इंटरनेट यूजर्स के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि अमेरिका करीब 32.2 करोड़ यूजर्स के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या इतनी विशाल है कि यह अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल ऑनलाइन आबादी को जोड़ने पर भी उससे ज्यादा है। यह दिखाता है कि डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी कितनी मजबूत हो चुकी है। चीन के आधिकारिक इंटरनेट नियामक संस्थान के मुताबिक, 2025 के अंत तक देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.12 अरब से ज्यादा दर्ज की गई और इंटरनेट पहुंच दर 80.1 फीसदी तक पहुंच गई।

चीन की डिजिटल दुनिया काफी हद तक बाकी देशों से अलग है। वहां कई लोकप्रिय विदेशी प्लेटफॉर्म जैसे गूगल और अमेजन उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में घरेलू कंपनियों ने इस खाली जगह को भर दिया है। आज चीन में अलीबाबा, टैंटकेंट और बाइदू जैसे प्लेटफॉर्म प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वहीं वीचेट, वेयबो और कुआशियू का दबदबा देखने को मिलता है जहां अन्य देशों में फेसबुक, एक्स और यूट्यूब् ज्यादा लोकप्रिय हैं।

चीन केवल इंटरनेट यूजर्स की संख्या में ही नहीं बल्कि डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी अग्रणी है। 2025 के मध्य तक ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1.02 अरब से ज्यादा पहुंच गई थी। इसका मतलब है कि करीब 91 फीसदी इंटरनेट यूजर किसी न किसी रूप में डिजिटल पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिटेल खरीदारी, टैक्सी बुकिंग, बिल भुगतान और अन्य सेवाओं में मोबाइल पेमेंट वहां की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

एआई के क्षेत्र में भी चीन तेजी से विस्तार कर रहा है। दिसंबर 2025 तक देश में लगभग 60.2 करोड़ लोग जनरेटिव एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे थे। यह संख्या यूरोपीय संघ की कुल आबादी से भी ज्यादा बताई जाती है। चीन और भारत को मिलाकर देखें तो इन दोनों देशों में मौजूद इंटरनेट यूजर्स की संख्या दुनिया के शीर्ष 20 देशों के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से भी

ज्यादा है। यह संकेत देता है कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का वैश्विक केंद्र धीरे-धीरे पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहा है।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं है: ज्यूडिशियल काउंसिल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता)-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ज्यूडिशियल काउंसिल ने देशवासियों से पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया । ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने अपने संदेश में कहा कि आज संपूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, जैव विविधता के क्षरण तथा वनों की कटाई जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन समस्याओं का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव स्वास्थ्य, कृषि, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन पर भी व्यापक रूप से पड़ रहा है। ज्यूडिशियल काउंसिल का मानना है कि स्वस्थ पर्यावरण प्रत्येक व्यक्ति का मूल अधिकार है। भारत के संविधान में भी पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 48(क) तथा अनुच्छेद 51(क)(ग) के अंतर्गत राज्य और नागरिकों दोनों को पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवों की रक्षा एवं संवर्धन का दायित्व सौंपा गया है। ज्यूडिशियल काउंसिल ने कहा कि केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, उद्योगों, युवाओं तथा आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। ज्यूडिशियल काउंसिल ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को अपनाएं, जैसे कि प्लास्टिक का कम उपयोग, जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत, कचरे का उचित प्रबंधन तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण। एक-एक नागरिक का छोटा प्रयास भी सामूहिक रूप से बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ज्यूडिशियल काउंसिल ने मेरा जीवन-मेरा वृक्ष अभियान को भी प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक नागरिक से अपने जीवनकाल में कम से कम एक वृक्ष लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि वे भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और बेहतर जीवन प्रदान करने का आधार भी हैं। काउंसिल ने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण और

भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन परस्पर जुड़े हुए विषय हैं। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरणीय कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सार्वजनिक जवाबदेही को सुनिश्चित करना सतत विकास की दिशा में आवश्यक कदम हैं। ज्यूडिशियल काउंसिल ने सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवाओं तथा नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति समाज को प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर काउंसिल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करे, तो भारत एक स्वच्छ, हरित और सतत विकास वाला राष्ट्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जोर दे कर कहा प्रकृति मानव जीवन की आधारशिला है। स्वच्छ वायु, शुद्ध जल और हरित पर्यावरण के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्यावरण संरक्षण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। मैं सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे पर्यावरण सुरक्षा के लिए आगे आएं और 'मेरा जीवन ङ्क मेरा वृक्ष' जैसे अभियानों से जुड़कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। प्रत्येक व्यक्ति यदि एक वृक्ष लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और हरित भविष्य का निर्माण संभव है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है। आइए, हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें और एक स्वच्छ, हरित तथा समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

मकान में चल रहा था देह व्यापार, युवक और युवती गिरफ्तार, आपत्तिजनक सामग्री बरामद

नवाबगंज (बरेली)। बरेली के नवाबगंज इलाके में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने एक मकान में चल रहे देह व्यापार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से आरोपी युवक कौशल शर्मा उर्फ पंडित और एक युवती को गिरफ्तार किया। दोनों आपत्तिजनक हालत में थे। बुधवार को पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस को मंगलवार देर रात ग्रामीणों ने विजौरिया रेलवे स्टेशन के पास एक मकान में अनैतिक गतिविधियों की जानकारी दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मकान को चारों ओर से घेर लिया। इस दौरान मकान मालिक की पत्नी और एक युवक मौके से भाग गए। इस बीच ग्रामीणों ने पकड़े गए आरोपियों की पिटाई कर दी। पुलिस दोनों आरोपियों को कोतवाली ले आई और उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पूछताछ में कौशल शर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी के सहयोग से यह धंधा करता है। वह पूरनपुर, पीलीभीत, बरेली और शाहजहांपुर से युवतियों को बुलाकर देह व्यापार कराता था। पुलिस ने कौशल शर्मा के पास से 1200 रुपये और युवती से 700 रुपये नकद के साथ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, कौशल शर्मा उर्फ पंडित दो माह पहले तमंचे के साथ पकड़े जाने पर जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद उसने अपना पुराना धंधा फिर से शुरू कर दिया था। ग्रामीणों के माध्यम से लगातार उसकी अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। एक माह पहले गांव की कोचिंग से लौट रही एक छात्रा के साथ छेड़खानी की घटना हुई थी। ग्रामीणों ने तब भी इस मकान में संदिग्ध लोगों के आने-जाने का आरोप लगाया था। इंस्पेक्टर अरुण कुमार श्रीवास्तव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मकान के पास सड़क पर पुलिस की ड्यूटी लगाई थी। इससे दिन के समय ऐसी घटनाएं कम हो गई थीं। इंस्पेक्टर अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से देह व्यापार चलाने वाले आरोपी और युवती को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

वाहन की टक्कर से दो सगे भाइयों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

चित्रकूट। सरधुवा थाना क्षेत्र अरछा बरेठी गांव से बुधवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी, इससे दो सगे भाई घायल हो गए। दोनों को पीआरवी अपने वाहन से लेकर सीएचसी गई। वहां से रेफर कर दिया, जिला अस्पताल में एक की मौत हो गई तो दूसरे ने प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना के बाद से परिजनों का हाल बेहाल है। बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं लगाया था। पहाड़ी थाना क्षेत्र के भगौती पुरवा निवासी राममूरत ने बताया कि उसके घर में तेली कार्यक्रम था। उसमें तेली बनाने के लिए दूध लेने के लिए उसका बड़ा बेटा गणेश दत्त (35) व छोटा बेटा रंजन कुमार (30) रात करीब आठ बजे अपनी बरेठी निवासी बुआ के यहां बाइक से गए थे। वहां से लौटते समय बरेठी के बाहर निकलते ही रघुवंशीपुर के पास बाइक में किसी वाहन ने टक्कर मार दी, इससे बेटे बाइक सहित सड़क किनारे खंती में गिर गए। गिरने से दोनों भाई घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने अपने वाहन से दोनों भाइयों को सीएचसी पहाड़ी में भर्ती कराया। वहां हालत गंभीर होने पर दोनों को रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने गणेशदत्त को मृत घोषित कर दिया। वहीं रंजन की हालत में सुधार न होने पर प्रयागराज भेज दिया। वहां ले जाते समय रामनगर के पास उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद कार्यक्रम की खुशियां मातम में बदल गईं। थाना प्रभारी निशिकांत राय ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। वहां दोनों की मौत हो गई।

NAME CHANGE
I hitherto known as Sukhbir S/o Ami Chand R/o PO. Dasna, Sadat Nagar Ikla, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Sukhveer.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Nitish Malik, S/o Arvind Kumar Malik R/o House No. 706 B-1 Tower, Bharat City, Phase-1, Farukh Nagar Road, Indraprastha Yojna, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102 declare that name of my minor daughter name has been wrongly as Naisha Nitish Malik in my minor daughter Naisha Malik aged 9 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is Naisha Malik.

NAME CHANGE
I, Dinesh Kumar S/O Chhoto Singh R/O Akbarpur Buklana Simbhaoli, Garhmukteshwar Hapur Uttar Pradesh -245207, have changed the name of my minor Son Sagar aged 16 years and he shall hereafter be known as Sawan

NAME CHANGE
I, SAPNA, D/ O SHRI RAM KRIPAL SINGH R/O : 458/2 KASHMERE BAGH KISHAN GANJ DELHI - 110007, AGED 29 YEARS, HAVE CHANGED MY NAME SAPNA TO SAPNA SINGH.

NAME CHANGE
I, JYOTI, D/ O SHRI ABHAY SINGH R/O : 306 4TH FLOOR, GURUDWARA WALI GALI, HARI VIHAR MAIN NAJAFGARH ROAD, KARKOLA, DWARKA DELHI -110078, AGED 32 YEARS, HAVE CHANGED MY NAME JYOTI TO JYOTI SINGH.

PUBLIC NOTICE
"BE IT KNOW TO ALL CONCERNED that my client Mrs. SUNITA D/o Late Sh. Satpal Singh R/o WZ-283/117, Maddi Wali Gali No. 4, Vishnu Garden, New Delhi-110018, hereby declare that she have expelled, disowned and disinherited her son i.e. RISHABH KAKKAR & her daughter-in-law i.e. REENA SINGH (D/o Sh. Rajvir Singh) W/o Rishabh Kakkar from her all movable, immovable properties whatsoever / whereever situated & bank deposits etc. She have also released all her relations with her above mentioned son & daughter-in-law for all intents and purposes, and my client hereby declare that she shall not be responsible for any of acts and omissions of her above mentioned son & daughter-in-law from hereto. Anybody dealing with her above mentioned son & daughter-in-law, shall do so at his/ her/ their own Peril."
GULSHAN CHANANA (Advocate)
Enrolment No.: D/5869/2018

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Fariyad S/o Mr. Bismil is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 167.28 sq. mtrs. (i.e. 200 sq. yds.), out of Khasra No. 613 Situated at Village Sheikhupur Khichra, Pargana Dasna, Tehsil Dhaulana & District Hapur, Uttar Pradesh., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 21.09.2024, as Doc. No. 14876, Book No. 1, Vol. No. 6762, on pages 133-146, on dated 21.09.2024 in SR-Dhaulana. In the chain of documents, the Original Sale Deed dated 25.09.2012 executed by Mrs. Sitara W/o Mr. Wajid Ali in favour of Mrs. Sajma W/o Mr. Farooq as Doc. No. 15822, Book No. 1, Vol. No. 8405, on pages 107-124, on dated 25.09.2012 in SR-I Hapur., is not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Shahdara Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I MD SHARQUE ANWER, S/O MD JASEEM UDDIN AHMAD, R/0 94C. Ramji Lal Market Building No 2 Room no 6 2nd Floor DSB House Sarita Vihar Madanpur khadar Delhi 110076 changed my name to MD SHARIQUE ANWER

NAME CHANGE
I JASIMUDDIN AHMAD S/0 Late Moizuddin Ahmed R/0 Sehat Kuan Hilsa Po.Hilsa Anchal Nalanda Bihar 801302 Changed my name to JASEEM UDDIN AHMAD

NAME CHANGE
I MD JASEEM UDDIN AHMAD S/0 Late.Moizuddin Ahmed R/0 Sehat Kuan Hilsa Po.Hilsa Anchal Nalanda Bihar 801302 Changed my name to JASEEM UDDIN AHMAD

NAME CHANGE
I, SATAKSHI MISHRA D/O PRABHAKER MISRA R/O FLAT NO-1207 TOWER-5, AAGMAN SOCIETY,NEAR BY IMT SEC-70 BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004, CHANGED MY NAME TO NITYA MISHRA.

NAME CHANGE
I, VESHALI SINGHAL W/o Vicky Malhotra R/o WZ-64, 2nd floor, Om Vihar, Phase-2, Uttam Nagar,Delhi-110059, have changed my name from VESHALI SINGHAL to VAISHALI SINGHAL permanently.

NAME CHANGE
I hitherto Known as KAMINI alias KAAMAN RANI D/o JAGDISH PARSAD W/o Narender Kumar residing at House No.- V -1556 ,Gali No.-1 ,Vijay Park ,Moujpur ,North East ,Delhi 110053 have changed my name and shall hereafter be known as KAAMAN RANI.

NAME CHANGE
I, SHIRAJUDDIN SON OF SATTAR KHAN R/O H NO.65, STREET NO-2, KARDAMPURI, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME SIRAJUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MASHILA BEGUM WIFE OF SIRAJUDDIN R/O H NO.65, STREET NO-2, KARDAMPURI EXTN, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME VASEELA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, hitherto known as Shashi alias Shashi Gupta W/o T C Gupta alias Triloc Chand Gupta R/o C-285, Sector -19, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.201301, have changed my name and shall hereafter be known as Shashi Kiran Gupta. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Doodha Nath S/o Ram Svaroop R/o 180, Block SD, Sector 63 A, PO: Sector 62, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.201309, have changed my name and shall hereafter be known as DUDHNATH MAURYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that, I Madhu Manjari Tidu W/o George Celestine R/o House no. D-73, Sector -55, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201301, declare that name of mine has been wrongly written as Madhu Manjari in my minor daughter namely Sharron Celestine aged 14 years in her School record. The actual name of mine is Madhu Manjari Tidu. which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UTTAM SINGH alias UTTAM SINGH RAJAWAT S/o JAGRAM SINGH R/o RC-280, Azad Vihar, Khora Colony, Ghaziabad Uttar Pradesh 201309,have changed my name and shall hereafter be known as Uttam Singh Rajawat. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto Known as AJIT SINGH S/o BHIMA SINGH R/o Hapur Road Near Behl Farm House, Sadbhawna Nagar, Dasna Dehat, Ghaziabad Uttar Pradesh -201302, have changed my name and shall hereafter be known as SILBANUS TIRKEY.

NAME CHANGE
I hitherto known as BABLI W/O JAI BHAGVAN SHARMA, R/O House No. 128, Prahlad Garhi, Ghaziabad, Vasundhra, Ghaziabad. Uttar Pradesh 201012, have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA SHARMA.

NAME CHANGE
I, Rajni alias Bhavana W/O Dilbag R/O Saina, Simbhaoli, Hapur, Uttar Pradesh - 245207, have changed my name and shall hereafter be known as Bhavana

NAME CHANGE
It is for general information that I, Inam Beig S/O Sharif Beig R/O House No-20, Habib Compound Jassipura, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, declare that name of my wife has been wrongly written as Ishrat Jahan Aara in my minor daughter Maysha Mirza aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of my wife is Heena Khan

NAME CHANGE
I, Hariram Pal S/O Biharlal Pal R/O House Number Golakaun Chowk Kadkad Model I. E. Sahibabad, I. E. Sahibabad, Ghaziabad Ghaziabad Uttar Pradesh -201010, have changed my name and shall hereafter be known as Hari Ram

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Bhawna Gupta** is the owner of the Property bearing No. 158, in Block-C, Pocket-8, having land area measuring 207 sq. mts., situated in the Dwarka Residential Scheme, at Sector-17, Dwarka, Delhi vide Sale Deed dated 24.02.2026 which was executed by M/s. Chaudhary Trading Co. (a Partner Ship Firm) by its partners Mrs. Radha w/o Mr. Ramesh Chand & Ms. Priya d/o Mr. Ramesh Chand and which is registered as Doc. No. 2026/25/I/5255, in Book No. I, Volume No. 17470, Page Nos. 143- 160 on 24-02-2026 (SRO-Janakpuri)and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Mohd. Naseem Ahmed S/o Mohd. Nadir R/o 1753, 3rd Floor, Gali Meer Jumla Lal Masjid, Lal Kuan, Chawri Bazar Delhi-110006 have changed my name from Naseem Ahmad to Mohd. Naseem Ahmed for all future purposes. That Mohd. Naseem Ahmed and Naseem Ahmad both are same person.

NAME CHANGE
I AKHTAR S/O MALHU R/O KOL GAON(95) MEWAT DOHA HARYANA 122104 have changed my name to AKHTAR HUSSAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SEEMA W/O AVDESH KUMAR R/O PLOT NO -1 ASTHA VIHAR PREM NAGAR-3 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086 have changed my name to SEEMA DEVI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, BALJIT SINGH ROHILLA S/o Ramkishan R/o B-36, Rohit Apartment, Plot No.30, Sector-10, Dwarka, Delhi-110075, have changed my name to BALJIT SINGH permanently.

NAME CHANGE
I, GEETA W/o Amit Kumar Dhingra R/o B-1/70, Gali No.7, Maddi Wali Gali, Vishnu Garden, Delhi-110018, have changed my name from GEETA to GEETA DHINGRA permanently.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEEPAK KUMAR S/o RAMESH, R/o Ali Pura (126), Jind, Haryana-126115, declare that name of my father and mother has been wrongly written as RAMESH KUMAR and ANITA in my Educational documents. The actual name of my father and mother are RAMESH and SITO respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, SHEELA RANA W/o Mahipal Singh Rana R/o BG-6/230 A, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name from SHEELA RANA to TILA DEVI RANA permanently.

NAME CHANGE
I, SAROJ W/o Shyam Sunder Luthra R/o F-104, 1st Floor, Delhi 99 Housing Society, Bhopura, Tila Mode Road, D-Mart, Ghaziabad, UP-201102, have changed my name from SAROJ to SAROJ LUTHRA permanently.

NAME CHANGE
I,ISH DHAWAN S/O VIJAY KUMAR DHUNNA R/O F-1/123 3RD-FLOOR SECTOR-16 ROHINI DELHI-110089.HAVE CHANGED MY NAME TO ARYAN DHUNNA.

NAME CHANGE
I, SONIA, D/ O SHRI ABHAY SINGH R/O : 306 4TH FLOOR, GURUDWARA WALI GALI, HARI VIHAR MAIN NAJAFGARH ROAD, KARKOLA, DWARKA DELHI -110078, AGED 32YEARS, HAVE CHANGED MY NAME SONIYA TO SONIYA SINGH.

NAME CHANGE
I, HIMANI, D/O SHRI ABHAY SINGH R/O : 306 4TH FLOOR, GURUDWARA WALI GALI, HARI VIHAR MAIN NAJAFGARH ROAD, KARKOLA, DWARKA DELHI - 110078, AGED 25 YEARS, HAVE CHANGED MY NAME HIMANI TO HIMANI SINGH.

NAME CHANGE
I, VIPIN KUMAR, S/O SHRI RAM KRIPAL SINGH R/O : 458/2 KASHMERE BAGH KISHAN GANJ DELHI - 110007, AGED 33 YEARS, HAVE CHANGED MY NAME VIPIN KUMAR TO VIPIN SINGH.

NAME CHANGE
I, sudesh kumar babbar S/O Lete Diwan chand R/o f-32 west patel nagar delhi - 11008, have changed my name Sudesh kumar babbar to Sudesh kumar

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Jitender and **Mr. Parveen Yadav** in respect of **House bearing No.1567, area measuring 171 sq. mtrs., Situated in the residential colony known as Sector-21, Urban Estate Gurugram, Tehsil & District Gurgaon Haryana,** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, BEENA KALIDASU father of No. 2618828L, Rank- SEP, Name-BEENA ESWARA RAO residing at-H/NO: 0001, VILLAGE-SASANAM, POST & TEHSIL-PALASA, PS-KASIBUGGA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532221, have changed my name from BEENA KALIDASU to BHEENA KALIDASU for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2026 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, BEENA WYMAVATHI mother of No. 2618828L, Rank- SEP, Name-BEENA ESWARA RAO residing at-H/NO: 0001, VILLAGE-SASANAM, POST & TEHSIL-PALASA, PS-KASIBUGGA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532221, have changed my name from BEENA WYMAVATHI to BHEENA HIMAVATHI for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2026 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, PRACHI D/O AMIT KUMAR residing at 891 SECTOR-10 FARIDABAD HR-121006 . have changed my name to PRACHI RAJPOOT for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AMIT RANA S/O JHANDU RAM residing at 891 SECTOR-10 FARIDABAD HR-121006 . have changed my name to AMIT KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, C PUSHPA mother of No.-2614048H, Rank- HAV, Name-RAGESH KK residing at- VILL-KAYARALAM, POST-MAYYIL, TEH-TALIPARAMBA, DIST-KANNUR, STATE-KERALA, PIN-670602, have changed my name from C PUSHPA to PUSHPAVALLI K K for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2026 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Vandana Ojha W/O Sanjiv Kumar R/O Flat No E3 808 Cleo County, Sector 121 Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301 Have changed my name to Bandana Ojha for all future purposes,

NAME CHANGE
I, Shubhangi Kashyap D/O Sanjiv Kumar R/O Flat No E3 808 Cleo County, Sector 121 Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301 Have changed my name to Shubhangi Ojha for all future purposes,

Public Notice
It is for general information that I NADEEM AHMAD KHAN S/o AHSANUL HAQ KHAN , R/o B-231 Gali No-5 Shri Ram Colony Rajeev Nagar North East Delhi-110094 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as MD NADIM AHMAN KHAN AND MD AHSAN KHAN in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father is NADEEM AHMAD KHAN AND AHSANUL HAQ KHAN , which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Asgar Ali S/o Mohammad Jahoor, resident of Plot No 54, Tulsipur, Railway crossing, Gate no.3 Manduadih, Varanasi, U.P 221103, have changed my name from Asgar Ali to Asagar. Henceforth, I would be known by the name of Asagar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, TAJINDER SINGH S/O DHIAN SINGH R/O HOUSE NO-47, GROUND FLOOR, BACK SIDE, INDRAPRASTHA COLONY, SECTOR-30-33, FARIDABAD, HARYANA-121003,HAVE CHANGED MY NAME TO TEJINDER SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as VEER SONKAR S/O DASHRATH SONKAR R/O 45-R.K.PURAM DELHI ROAD, MEERUT, Meerut Meerut Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as BEERU SONKAR.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANEESH KUMAR, S/O LATE SHRI SURESH CHAND R/O B-182, GALI NO-7, ASHOK NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110093, have changed my name and shall hereafter be known as MANISH KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I, FAHZAN Son of TAAHIR residing at L-II/1644, STREET NO-30, NEAR SHANI BAZAR, SANGAM VIHAR, DEOLI, DELHI-110062, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as TAHIR and JAMILA in my 10th and 12th Class Educational Documents and my BIRTH CERTIFICATE NO-MCDOLR08041909. The actual name of my father and my mother are TAAHIR and JAMEELA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, KAVITA wife of No.-812495L Rank-SUB MAJ, Name-RAUT VASANT SHAKARRAO residing at VILLAGE-51/1 LOKHVIHAR ORANGE CITY PARK, YERKHERA POST-KAMPTEE, TESHIL KAMPTEE, DISTRICT-NAGPUR, MAHARASHTRA-441001 have changed of my name from KAVITA to KAVITA RAUT for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Vipin, S/o Birender Singh Yadav, R/o H.No. 328, Fazilpur Jharsa, Sector-48, Gurugram, Haryana – 122001, have changed my name to Vipin Yadav and shall hereafter be known as Vipin Yadav for all purposes.

NAME CHANGE
I, JC-390009M, Rank-SUB, Name-GANES BERA legal father of SNAHA BERA residing at- VILL-AMIR CHAK, PO-PULSITA, TEHSIL-TAMLUK, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721154, have changed my minor daughter's name from SNAHA BERA to SNEHA BERA for all future purposes vide affidavit dated 04/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, POOJA W/O ARUN CHOPRA residing at B1/153 ASHOK VIHAR PH-2 DELHI-110052 . have changed my name to MEENU CHOPRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Geetika, W/o Chetan Gosain, R/o 123, Royal Green Homes, Sector-36, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana, have changed my name to Geetika Manchanda. Henceforth, I shall be known as Geetika Manchanda for all purposes.

NAME CHANGE
I, Sanjay Kumar Gupta, S/o Nand Lal Sah, R/o Flat No. 71, Housing Board, Saraswati Vihar, Near Krishna Market, Gurgaon – 122002, have changed my name to Sanjay Kumar. Henceforth, I shall be known as Sanjay Kumar for all purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I KAJAL ARORA D/O VIJAY KUMAR ARORA R/O 9/3463, Gali No-3, Dharm Pura, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi -110031 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as KAJAL, VIJAY ARORA and ASHA in my 10th class educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are KAJAL ARORA, VIJAY KUMAR ARORA and ASHA RANI ARORA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as BHUPESH S/O KISHAN KUMAR R/O 7/301, NEAR EK MEENAR MASJID, LALITA PARK, LAXMI NAGAR, SHAKAR PUR BARAMAD DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as BHUPESH BHURARIA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, PRAVEEN KUMAR S/O SUKHBIR SINGH R/O VILL-BHORA KHURD, BILASPUR(146), BHORA KALAN, GURGAON, HARYANA-122413 HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, DUNOHA DEVI mother of Rank-BHM (Gnr), Name-RAMESHWAR JAT of unit 268 Fd Regt, C/O 56 APO presently residing at VILL-BASNA, PO-HOLAWAS, TEHSIL-BANSUR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301402, have changed my name from DUNOHA DEVI to DUNDHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ROSHAN LAL JAT father of Rank-BHM (Gnr), Name-RAMESHWAR JAT of unit 268 Fd Regt, C/O 56 APO presently residing at VILL-BASNA, PO-HOLAWAS, TEHSIL-BANSUR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301402, have changed my name ROSHAN LAL JAT to ROSHAN LAL for all future purposes vide Affidavit Dated 04/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVINDER KUMAR S/O BRIJ LAL R/O A-343, MAIDAN GARHI ROAD, CHATTARPUR ENCLAVE, PHASE-2, CHATTARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110074 have changed my daughter name from DIMPAL to DIMPAL GOSWAMI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PRATHAM S/O ANAND KUMAR R/O, HOUSE NO-78-A, GROUND FLOOR, TYPE-1, ARAM BAGH, PAHAR GANJ, DELHI-110055 have changed my name to PRATHAM GOHAR for all purposes.

NAME CHANGE
I, LOKESH S/o OM PRAKASH R/o 1997, E-56, 2ND 60 FT ROAD, BADARPUR, DELHI-110044 have changed my name to LOKESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, Monika Antil W/o Shiv Charan R/o House No.2804, Sector-15, Sonipat, Haryana-131001 have changed the name of my minor son from Aarav to Aarav Dixit.

NAME CHANGE
I SUJATA ,W/o Shri Vivek Gupta , R/o . M-26, Flat no -102, 1st Floor, Lado Sarai . Mehrauli South Delhi 110030, I have changed my name to SUJATA GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I Himanshi, W/O Parveen Kumar, R/O House No- 1681, Pana Mamarpur, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 has changed my name to Himanshi Singhal for all future purposes.

NAME CHANGE
I Parveen, S/O Sadhu Singh, R/O House No- 1681, Pana Mamarpur, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 has changed my name to Parveen Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Savita Kadian W/O Ravinder Singh R/O Flat No 206, Intelligentsia Appertment Plot No 60 Sector-56, Gurgaon Haryana 12011 I, Have Changed My Name To Savita Singh

NAME CHANGE
I, Yogesh Kumar S/O Raj Kumar R/O House No I-182, Gali No, Near 70 Foot Road Prem Nagar-2 Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 I, Have Changed My Name To Yogesh Bhadoriya

NAME CHANGE
I, Narender Singh S/O Late Sohan Singh R/O R-2/1, R-2 Block, Mohan Garden Uttam Nagar, PO D.K Mohan Garden Dist. West Delhi, Delhi - 110059 I, Have changed My Name To Narinder Singh

NAME CHANGE
I, VANITHA wife of No.-2611507L, Rank-HAV, Name-MURAGEPPA residing at VPO-TANVASHI, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591212, have changed my name from VANITHA to VANITA MURAGEPPA BILLUR for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,NISHA CHAKRABORTY W/o RAJARSHI CHAKRABORTY R/o FLAT NO-A-606, FLORIDA SOCIETY, SEC-82, BEHIND PARK GRANDURA SOCIETY, FARIDABAD, HARYANA-121002 have changed my name to KRISHNA CHAKRABORTY.

NAME CHANGE
I AZAD S/0 Ramfal R/0 H No 77 Dairy Farm Near B9 LIG Flate Masood Pur PO.Vasant Kunj Delhi 110070 Changed my name to AZAD BIDHURI

NAME CHANGE
I, SHIDARAM BILLUR father of No.-2611507L, Rank-HAV, Name-MURAGEPPA residing at VPO-TANVASHI, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591212, have changed my name SHIDARAM BILLUR to SIDRAM BILLUR for all future purposes vide Affidavit Dated 02/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SATYA mother of No.-2611507L, Rank-HAV, Name-MURAGEPPA residing at VPO-TANVASHI, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591212, have changed my name from SATYA to SATYAVVA SIDARAM BILLUR for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-442267K Rank-SUB Name-G VEERABADRAN residing at- VILL-THAYAPPAN NAGAR, PO-IRUPATTUR TN HB, TEHSIL & DIST-TIRUPATTUR, TAMIL NADU-635601, have changed my minor son's name from V MOHIT to MOHIT V for all future purposes vide affidavit dated 02/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VARTHI daughter of JC-442267K Rank-SUB Name-G VEERABADRAN residing at- VILL-THAYAPPAN NAGAR, PO-IRUPATTUR TN HB, TEHSIL & DIST-TIRUPATTUR, TAMIL NADU-635601, have changed my name from VARTHI to AARTHI V for all future purposes vide affidavit dated 02/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, S BHARATHI wife of JC-442267K Rank-SUB Name-G VEERABADRAN residing at- VILL-THAYAPPAN NAGAR, PO-IRUPATTUR TN HB, TEHSIL & DIST-TIRUPATTUR, TAMIL NADU-635601, have changed my name from S BHARATHI to BHARATHI V for all future purposes vide Affidavit dated 02/06/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा **82 Cr P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **प्रमोद नागर उर्फ गुड्डू पुत्र:** विक्रम नागर **पता:** विलेज अट्टा, थाना गुलावती, जिला बुलंदशहर, यू.पी. **और भी:** फ्लैट नंबर 18029, टावर D, 18 मंजिल, 16 एवेन्यू, गौर सिटी, थाना बिसरख, जीबी, नगर, यू.पी. ने **FIR No.: 012736/2017, थाना: मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **प्रमोद नागर उर्फ गुड्डू ,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **प्रमोद नागर उर्फ गुड्डू ,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 012736/2017, थाना: मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त, **प्रमोद नागर उर्फ गुड्डू ,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
जिला पूर्व, कमरा नं. 16,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7389/ED/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में कानूनगो व लेखाकार बने नायब तहसीलदार

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राजस्व प्रशासन को जमीनी स्तर पर और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए नव पदोन्नत 33 नायब तहसीलदारों की विभिन्न जिलों में नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। यह अधिकारी हाल ही में कानूनगो तथा जिला राजस्व लेखाकार (डीआरए) के पदों से पदोन्नत हुए हैं और इन्हें प्रदेश के विभिन्न राजस्व प्रतिष्ठानों में रिक्त पदों के विरुद्ध नियुक्त किया गया है। यह आदेश राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त डॉ.सुमिता मिश्रा द्वारा 2 जून को जारी किए गए। इन जारी आदेशों के अनुसार, सभी 33 अधिकारियों को अपने नए कार्यस्थलों पर तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इन नियुक्तियों का उद्देश्य लंबे समय से रिक्त चल रहे राजस्व पदों को भरना तथा प्रदेश में भूमि प्रशासन, राजस्व संग्रहण, म्यूटेशन (नामांतरण) कार्य, रिकॉर्ड प्रबंधन और आमजन को दी जाने वाली सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना है। नियुक्त किए गए अधिकारियों में से कुछ को क्रमशः पानीपत, सिरसा, महेंद्रगढ़, कालांवाली, बेरी, हांसी, नारनौल, जगाधरी, वजीराबाद, फतेहाबाद, चरखी दादरी और हिसार जिलों में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त कई अधिकारियों को पलवल, मोहना, गोहाना, फरुखनगर, सांपला, सोनीपत, रतिया, करनाल, डबवाली, अंबाला, राय, प्रतापनगर (यमुनानगर), रोहतक तथा चंडीगढ़ स्थित वित्तायुक्त राजस्व कार्यालय में तैनात किया गया है।

हरियाणा के छह जिलों में बनेंगे 26 सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य के छह जिलों में लगभग 15.70 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 26 नए सरकारी आयुर्वेदिक औषधालय का निर्माण करेगी। इस पहल का उद्देश्य आयुष स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच में सुधार करना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुष विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि ये औषधालय यमुनानगर में 10, महेंद्रगढ़ में 6, रेवाड़ी में 5, कुरुक्षेत्र में 3, करनाल में 1 और गुरुग्राम में 1 बनाए जाएंगे। अनावर्ती नागरिक कार्य श्रेणी के तहत इस परियोजना की कुल लागत 1,570.22 लाख रुपये (15.70 करोड़ रुपये) अनुमानित है। डॉ.सुमिता मिश्रा ने बताया कि इन 26 सरकारी आयुर्वेदिक औषधालयों के निर्माण के लिए लागत अनुमान हरियाणा के विकास एवं पंचायत विभाग से प्राप्त हो चुके हैं। यमुनानगर जिले में भांगेरा, ताजेवाला, खुर्दबन, तलकौर, महियुद्दीनपुर, दारपुर, ढाकवाला, दादुपुर हेड, दमोली और लेड़ा खादर गांवों में 10 औषधालय बनाए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक औषधालय की अनुमानित लागत 59.17 लाख रुपये है।

गुरुग्राम की औद्योगिक इकाइयों में डीजल खरीद के स्रोतों की होगी जांच

गुरुग्राम। जिले में 91 ऐसी औद्योगिक इकाइयां हैं, जो ईंधन के रूप में डीजल का उपयोग करती हैं। इन सभी इकाइयों की जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्होंने डीजल अधिकृत स्रोतों से ही खरीदा है। यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों की अवहेलना सामने आती है तो संबंधित इकाई के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने अधिकारियों के साथ बैठक में दिए। जिला में हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) और मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) की असामान्य बिक्री तथा अवैध अंतर्राज्यीय परिवहन पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में एडीसी ने संबंधित विभागों और तेल कंपनियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की अवैध बिक्री और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सभी एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सभी पेट्रोल पंपों की दैनिक बिक्री पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। एडीसी ने कहा कि यदि किसी पेट्रोल पंप पर डीजल या पेट्रोल की बिक्री में अचानक असामान्य वृद्धि दिखाई देती है तो उसका तत्काल ऑडिट और निरीक्षण किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए।

महेंद्रगढ़ नगर पालिका में मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की छापेमारी, अधिकारी गायब

नारनौल। महेंद्रगढ़ में आमजन को नगर पालिका कार्यालय में कार्य करवाने में आ रही परेशानियों और लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मुख्यमंत्री उड़नदस्ते एवं गुप्तचर विभाग की टीम ने सुबह कार्यालय में अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई अधिकारी और कर्मचारी ड्यूटी से गैरहाजिर पाए गए, जिसके बाद टीम ने उनकी रिपोर्ट तैयार कर शहरी स्थानीय निकाय विभाग पंचकूला को भेज दी है। छापेमारी के दौरान सिंचाई विभाग नारनौल के एसडीओ राजेश वर्मा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। जांच के समय नगर पालिका कार्यालय में केवल लिपिक रवि यादव उपस्थित मिले। रवि यादव ने टीम को बताया कि नगर पालिका महेंद्रगढ़ में कुल 17 स्थायी अधिकारी एवं कर्मचारी तथा तीन कर्मचारी एचकेआरएन के माध्यम से कार्यरत हैं।

डा. अर्चना गुप्ता ने विधिवत रूप से ग्रहण किया प्रदेश अध्यक्ष का पदभार

एजेंसी
चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पदग्रहण समारोह में विधिवत रूप से प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता को पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने भी पीएम मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नायब सैनी सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और भरोसा दिया कि उन्हें जो दायित्व मिला है उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, सह प्रदेश प्रभारी सुरेंद्र

नागर, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा के अलावा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सांसद सुभाष बराला, सांसद संजय भाटिया, सांसद कार्तिकेय शर्मा, सांसद रेखा शर्मा सहित मंत्रियों, विधायकों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता को नए दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भाजपा हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा में कोई भी जिम्मेदारी छोटी या बड़ी नहीं होती। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक हर पद संगठन की मजबूती में समान रूप से महत्वपूर्ण है। यदि बूथ अध्यक्ष अपने क्षेत्र में पूरी निष्ठा से कार्य करता है तो वही मेहनत पार्टी को सत्ता तक पहुंचाती है और सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व को मजबूत बनाती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जहां बूथ अध्यक्ष प्रदेश का मुख्यमंत्री बन सकता है, देश का गृहमंत्री बन सकता है और चाय बेचने वाले का बेटा प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता से प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचना संगठन की कार्यकर्ता आधारित संस्कृति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी चाहे किसी भी स्तर की हो, यदि उसे समर्पण और ईमानदारी तथा निष्ठा से निभाया जाए तो संगठन व्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने स्वर्गीय चौधरी भजनलाल की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
हिसार । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आदमपुर हिसार पहुंचकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय चौधरी भजनलाल के जन प्रेरणा स्थल(समाधि स्थल) पर पहुंचकर परिक्रमा की तथा उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाधि स्थल परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व विधायक दुड़ाराम, पूर्व विधायक रेनुका बिश्नोई, पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मिशन ओलंपिक्स-2036 के लिए चुने जाएंगे आठ से दस वर्ष के खिलाड़ी

एजेंसी
चंडीगढ़। मिशन ओलंपिक्स-2036 को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा सरकार ने प्रतिभावान खिलाड़ी तैयार करने का बीड़ा उठाया है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन ओलंपिक्स-2036-विजयी भवः' के तहत 8 से 10 वर्ष के आयु वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण और जरूरी सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसके लिए वित्त विभाग से प्रारंभिक वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। इसके साथ ही प्रदेश खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खेल अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों के महत्व को देखते हुए हरियाणा खेल विश्वविद्यालय द्वारा ई-स्पोर्ट्स, खेल पत्रकारिता, खेल संचार और खेल प्रबंधन जैसे विषयों में विशेष कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इससे युवाओं के लिए खेल के क्षेत्र में रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। राज्य सरकार खेल नीति में संशोधन, दीर्घकालिक प्रतिभा विकास कार्यक्रम के माध्यम से भविष्य के ओलंपियनों को तैयार करने तथा खिलाडियों को एकीकृत डिजिटल मंच के जरिए सरकारी सेवाओं तक सहज पहुंच उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। इन पहलों की जानकारी आज यहां हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को दी गई। बैठक में दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान लिए गए निर्णयों पर हरियाणा द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई।

पंजाब में इस बार बनेगी डबल इंजन की भाजपा सरकार - नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों के चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यभार ग्रहण समारोह में पहुंचकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरदार ढिल्लों के नेतृत्व में पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत होगी और पंजाब में भी हरियाणा की तरह डबल इंजन की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब भाजपा कार्यालय में पूजा और अरदास की तथा दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचार आधारित संगठन है, जहां व्यक्ति नहीं बल्कि विचार और राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ

कार्य करता है, जिसके कारण आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने देश की सुरक्षा, कृषि, उद्योग और राष्ट्रभक्ति के क्षेत्र में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रदेश की जनता विकास, रोजगार, समृद्धि और सुशासन की आकांक्षा रखती है तथा भारतीय जनता पार्टी इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरदार केवल सिंह ढिल्लों की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी संगठन को पंजाब में नई ऊर्जा, नई दिशा और नई मजबूती मिलेगी तथा जनता के बीच पार्टी की पकड़ और सशक्त होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश में हुए विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद पंजाब भी विकास, निवेश, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे संगठन विस्तार को अपना प्रमुख लक्ष्य बनाते हुए गांव-गांव, शहर-शहर और बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों एवं विकास कार्यों को पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आगामी समय पंजाब के लिए नए अवसर लेकर आएगा और जनता विकास, पारदर्शिता तथा सुशासन की राजनीति को और अधिक समर्थन देगी। उन्होंने पंजाब के लोगों से पंजाब को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के नेतृत्व में हरियाणा की बड़ी उपलब्धि, सौर ऊर्जा अभियान में देशभर में शीर्ष प्रदर्शन

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज के नेतृत्व में राज्य के बिजली निगम ऊर्जा क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ऊर्जा मंत्री द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस संबंध में वे नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग तथा बिजली निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते रहे हैं। इन्हीं सतत प्रयासों का परिणाम है कि हरियाणा ने प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 4 जून, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम 'पीएम सूर्य घर के दो वर्ष : एक करोड़ छतों तक सौर ऊर्जा का विस्तार' के दौरान हरियाणा को तीन

विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। मई 2026 के दौरान आयोजित 'मंथ ऑफ सोलर' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हरियाणा का चयन 'पीएम सूर्य घर एक्सीलेंस अवार्ड' के लिए किया गया है। हरियाणा को जिन तीन श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त होंगे, उनमें 'मंथ ऑफ सोलर - सर्वाधिक उपभोक्ता आवेदन' श्रेणी में तृतीय स्थान (17,142 आवेदन), 'मंथ ऑफ सोलर - सर्वाधिक सोलर इंस्टॉलेशन' श्रेणी में द्वितीय स्थान (11,983 स्थापना) तथा 'मंथ ऑफ सोलर - सर्वाधिक डिस्कॉम निरीक्षण (यूएचबीवीएन एवं डीएचबीवीएन)' श्रेणी में तृतीय स्थान (12,514 निरीक्षण) शामिल हैं। यह उपलब्धि हरियाणा सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व, ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं क्रियान्वयन एजेंसियों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना फरवरी 2024 में प्रारंभ की गई थी। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य मार्च 2027 तक देशभर के एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करना है। वर्तमान में देश के 40 लाख से अधिक परिवार इस योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं तथा 32 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। हरियाणा में अब तक 86,152 रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, राज्य सरकार ने 31 मार्च, 2027 तक 2 लाख 20 हजार रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में तेज गति से कार्य किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक परिवार स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ सकें और बिजली बिलों में बचत का लाभ उठा सकें। राष्ट्रीय कार्यक्रम में हरियाणा सरकार की ओर से प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से जुड़े अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल यह सम्मान प्राप्त करेगा।

हरियाणा में 24 साल बाद होगा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में लगभग 24 वर्ष बाद मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा, जिसके तहत बूथ स्तर पर घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर 2026 को किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ए.श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और निर्देश दिए कि ईआरओ,एईआरओ, बीएलओ तथा सुपरवाइजर्स को समयबद्ध प्रशिक्षण देकर अभियान को सफल बनाया जाए। बैठक में सीईओ ने राज्य में मतदाता सूचियों की मैपिंग की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अब तक केवल 64.26 प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा हुआ है, जबकि फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, पानीपत और पंचकूला जैसे जिलों में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि संबंधित जिलों में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर जनसहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्वयं अगले सप्ताह इन जिलों का दौरा करने की घोषणा भी की। श्रीनिवास ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए 'गणना फॉर्म' हिंदी भाषा में उपलब्ध कराए जाएंगे और 5 जून 2026 से इन्हें आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जिन घरों से गणना फॉर्म वापस नहीं मिलेंगे, वहां बीएलओ पड़ोसियों से जानकारी लेकर अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लिकेट मतदाताओं की पहचान करेंगे। प्रत्येक ऐसे घर का कम से कम तीन बार दौरा करना बीएलओ के लिए अनिवार्य होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं होंगे।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को जल्द मिलेंगे दो स्थायी जज, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दी मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली/चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में दो अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश को मंजूरी दी है। यह फैसला न्यायिक व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 2 जून को हुई अपनी बैठक में यह निर्णय लिया। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति हरमीत सिंह ग्रेवाल और न्यायमूर्ति दीपिंदर सिंह नलवा को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश को स्वीकृति प्रदान की है।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि कॉलेजियम ने दोनों अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश बनाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके बाद अब आगे की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217(1) के तहत हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की

जाती है। किसी अतिरिक्त न्यायाधीश को स्थायी न्यायाधीश बनाने से पहले संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को विस्तृत रिपोर्ट और आंकड़े प्रस्तुत करने होते हैं।

इन आंकड़ों में संबंधित न्यायाधीश द्वारा महीनेवार निपटाए गए मामलों की संख्या, फैसलों का विवरण, विधिक पत्रिकाओं में प्रकाशित निर्णयों की संख्या और न्यायिक कार्यक्षमता से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया जाता है कि संबंधित न्यायाधीश ने कुल कितने कार्य दिवसों में काम किया, कितने दिनों तक अदालत में उपस्थित रहे और कितने दिनों तक अनुपस्थित रहे। इन सभी तथ्यों के आधार पर कॉलेजियम स्थायी नियुक्ति पर फैसला करता है।

बता दें कि इसी दिन सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कर्नाटक, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में भी नई न्यायिक नियुक्तियों के लिए सिफारिशें की थीं। ऐसे में न्यायपालिका में लंबित रिक्तियों को भरने और अदालतों की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कुत्तों के काटने पर 13 पीड़ितों को मुआवजा देगी सरकार

एजेंसी
कैथल। जिला मुख्यालय पर आयोजित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) के तहत आए मामलों पर सुनवाई करते हुए 13 पीड़ितों को मुआवजा देने की मंजूरी दी गई। इनमें 12 मामले कुत्तों के काटने के हैं, जबकि एक मामला बेसहारा पशु के हमले से घायल व्यक्ति से जुड़ा है। बैठक की अध्यक्षता एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने की। इस दौरान कुल 30 आवेदनों पर विचार किया गया, जिनमें से 13 को मंजूरी दी गई। एक मामले में विभागीय मुख्यालय से मार्गदर्शन लेने का निर्णय लिया गया, जबकि 16 आवेदन निर्धारित मानकों पर खरे न उतरने के कारण खारिज कर दिए गए।

बैठक में एडीसी ने कहा कि दयालु-2 योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जिसके तहत बेसहारा पशुओं के हमले में घायल या मृत व्यक्ति के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र व्यक्तियों तक योजना का लाभ प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाया जाए और सभी मामलों में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने बताया कि योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर गाय, बैल, कुत्ते, नीलगाय, गधे और खच्चर जैसे

बेसहारा पशुओं के हमले की स्थिति में सहायता दी जाती है। कुत्ते के काटने के मामलों में प्रति दांत के निशान के आधार पर 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। वहीं, 70 प्रतिशत से कम दिव्यांगता होने पर कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 के अनुसार आनुपातिक लाभ दिया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का हरियाणा का स्थायी निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। घटना राज्य की सीमा के भीतर हुई होनी चाहिए और 90 दिनों के अंदर ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी है।

हरियाणा के किसान तंजानिया व केन्या देशों में कर सकेंगे खेती और कारोबार

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने 'गो ग्लोबल' अप्रोच को नई गति दी है। जिसके तहत अब हरियाणा के किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) तंजानिया, केन्या सहित अन्य अफ्रीकी देशों में भी खेती और कृषि कारोबार के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे।पंचकूला के मोरनी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में देश की प्रतिष्ठित मसाला कंपनी एमडीएच और हरियाणा के छः किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के बीच महत्वपूर्ण करार हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि इस बार के बजट में मोरनी क्षेत्र को विकसित करने की घोषणा की गई थी, उसी के अनुरूप मोरनी क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में आज यह एमओयू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को किसी भी प्रकार के घाटा होने की स्थिति में भरपाई की जाएगी। इसके अलावा प्राकृतिक खेती करने वालों किसानो को बाजार भाव से 10 प्रतिशत अधिक फसल मूल्य कंपनी द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि लगभग 4 हजार एकड़ में प्राकृतिक को प्रोत्साहित करते हुए किसानों से सीधे खरीद व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता हरियाणा के किसानों को वैश्विक कृषि व्यापार से जोड़ने की

खेती प्रारंभरिक चरण में शुरू की जाए। इस समझौते के तहत पंचकूला जिले के मोरनी क्षेत्र में अदरक, हल्दी, मिर्च सहित विभिन्न मसाला फसलों की व्यावसायिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। एमडीएच किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, विपणन तथा खरीद संबंधी सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही हरियाणा में कीटनाशक-मुक्त और टिकाऊ खेती दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत तंजानिया, केन्या तथा अन्य अफ्रीकी देशों में कृषि एवं व्यापार की संभावनाओं को विकसित किया जाएगा। भविष्य में यदि हरियाणा के एफपीओ इन देशों में भूमि लेकर अदरक, हल्दी, मिर्च एवं अन्य मसाला फसलों की खेती करते हैं, तो एमडीएच वहां उत्पादित फसलों की खरीद के लिए भी इच्छुक रहेगी।

नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन

एजेंसी
फरीदाबाद। बल्लभगढ़ क्षेत्र की राजीव कॉलोनी में सुबह पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। सुबह-सवेरे शुरू हुए इस अभियान में क्राइम ब्रांच, स्थानीय थाना पुलिस, ब्लैक कमांडो, डॉग स्क्वायड और महिला पुलिसकर्मियों सहित भारी पुलिस बल ने हिस्सा लिया। पुलिस ने कॉलोनी की घेराबंदी कर संदिग्ध घरों और व्यक्तियों की गहन जांच की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राजीव कॉलोनी से पिछले कुछ समय से नशा बेचने और तस्करी से जुड़ी लगातार शिकायतें मिल रही थी। स्थानीय लोगों ने भी इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दी थी। इन्हीं शिकायतों के आधार पर विशेष रणनीति बनाकर यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमों ने कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों में जाकर तलाशी अभियान चलाया। उन घरों की विशेष रूप से जांच की गई, जिनके बारे में पुलिस को नशे के कारोबार में संलिप्त होने का संदेह था।संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई और उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं से भी पूछताछ की। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की सहायता से गलियों, खाली प्लॉटों और अन्य संदिग्ध स्थानों की बारीकी से जांच की। हालांकि अभियान के दौरान कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ, लेकिन पुलिस ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच की जाएगी। सीआईए बदरपुर बॉर्डर प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में नशा तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थी कि कुछ लोग युवाओं को नशे की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं, जिसके चलते यह संयुक्त कार्रवाई की गई।

ग्रामीण मांग की रफ्तार कायम, शहरी मध्य वर्ग पर दबाव :एफएमसीजी

नई दिल्ली।

नेस्ले इंडिया ने बताया कि शहरी उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च को टाल रहे हैं, जिससे इंतजार करो की स्थिति बन रही है। हालांकि, नेस्ले के लिए, जो एक शहरी-केंद्रित कंपनी है, वृद्धि बेहतर बनी हुई है। उन्होंने नील्सन आईक्यू के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण मांग लगातार तीन वर्षों से शहरी मांग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। बाजार के प्रीमियम हिस्से में भी मांग मजबूत बनी हुई है। मैरिको के एक अे धिकारी ने स्वीकार किया कि नए क्षेत्रीय ब्रांड बड़ी एफएमसीजी कंपनियों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैरिको ने तीन वर्षों में सात डी2सी ब्रांडों का अधिग्रहण किया है और नवाचार को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह चिंता भी जताई कि कम बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों की मांग प्रभावित हो सकती है।

सौर क्षमता विस्तार में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा

बीते वर्ष 37 गीगावाट सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली ।

भारत ने सालाना सौर क्षमता विस्तार के मामले में अमेरिका को पछाड़ते हुए वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को बताया कि बीते साल 37 गीगावाट (जीडब्ल्यू) सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षमता विस्तारक देश बन गया है। इस दौरान अमेरिका ने 34 जीडब्ल्यू क्षमता जोड़ी। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन, नवाचार और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के दम पर भारत सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख सौर बाजारों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत सौर ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया, जिसने जापान को पीछे छोड़ते हुए अपनी क्षमता को 98 जीडब्ल्यू से अधिक तक पहुंचाया। देश में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की गति उल्लेखनीय रही है। भारत ने अप्रैल 2026 तक 154 जीडब्ल्यू की कुल सौर क्षमता हासिल करने का अनुमान है। भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक 500 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग आधा (288 जीडब्ल्यू) गैर-जीवाश्म स्रोतों से आता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अदाणी टोटल गैस के शेयर उछले

विशेषज्ञ बोले- सरकारी नीतियां और कीमतों में बढ़ोतरी बनी वजह

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष ने जहां वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है और निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स को करीब 9 प्रतिशत नीचे धकेल दिया है, वहीं इस मुश्किल दौर में अदाणी टोटल गैस (एटीजीएल) ने सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है। फरवरी 2026 से जून 2026 के बीच कंपनी के शेयर में लगभग 40 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिससे यह ऑयल एंड गैस सेक्टर की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कंपनी बन गई। बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, अदाणी टोटल गैस की इस शानदार तेजी के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- सरकारी नीतियां, सीएनजी व औद्योगिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी, और अदाणी समूह में निवेशकों का बढ़ता भरोसा। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल व गैस निकालने वाली कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होती हैं, जबकि तेल विपणन कंपनियों और रिफाइनरियों पर लागत बढ़ने का दबाव पड़ता है। इस अवधि में अदाणी टोटल गैस का शेयर 512 रुपये से बढ़कर 717.60 रुपये पर पहुंच गया। जहां एक ओर अदाणी टोटल गैस ने आसमान छुआ, वहीं चेन्नई पेट्रोलियम (24 फीसदी), एजिस लॉजिस्टिक्स (10.5 फीसदी) और ऑयल इंडिया (1.5 फीसदी) जैसी कुछ अन्य कंपनियों के शेयरों में भी मामूली बढ़त देखी गई। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया संकट का सबसे बुरा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में 23 से 27 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, गेल, महानगर गैस और इंद्रप्रस्थ गैस सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भी महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरे सेक्टर में दबाव साफ नजर आया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआई लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही।

आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ1 अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला।

पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

केरल पर गंभीर वित्तीय संकट, कर्ज 5 लाख करोड़ पार

तिरुवनंतपुरम ।

केरल सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में एक गंभीर वित्तीय स्थिति रिपोर्ट (श्वेत पत्र) पेश की, जिसमें राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल कर्ज और लगभग 49,000 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान उजागर हुए हैं। पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते कर्ज और देनदारियों के कारण विकास व बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है।

वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं, जबकि पूंजीगत व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का मात्र 1.3 फीसदी है, जो देश में सबसे कम है। रिपोर्ट ने केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के लगभग 21,000 करोड़ रुपये के ऋण पर भी चिंता जताई है, जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा। यह गंभीर वित्तीय चुनौती राज्य के लिए विकास परियोजनाओं को बाधित कर रही है और दैनिक नकदी जरूरतों के लिए आरबीआई की आपात उधारी पर निर्भरता बढ़ा रही है।

भारतीय ब्रांड करेंगे अमेरिकी बाजार पर राज: ओयो

ओयो ने मोटेल 6 अधिग्रहण कर अमेरिकी होटल क्षेत्र में बनाई पैठ

न्यूयॉर्क ।

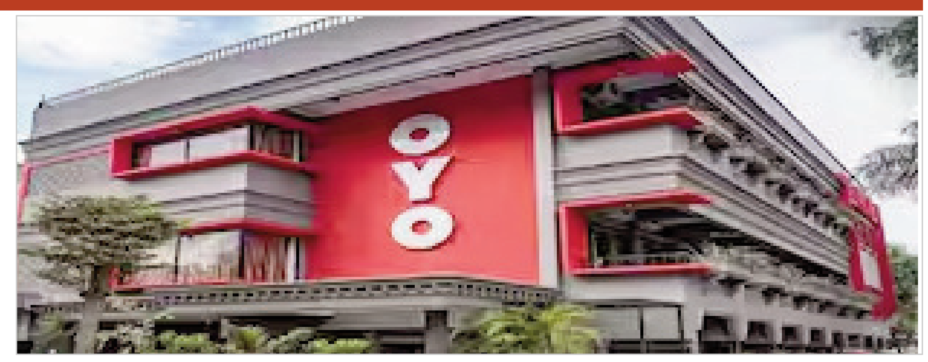

ऑनलाइन हॉस्पिटैलिटी मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय कंपनियां जल्द ही अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनेंगी, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक चर्चा में उन्होंने यह भी बताया कि ओयो अमेरिका में तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि इसका मतलब है कि अमेरिकी उपभोक्ता पहली बार भारतीय ब्रांडों का उपयोग करेंगे। उन्होंने अपनी कंपनी का उदाहरण देते हुए कहा कि ओयो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ा है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। 2024 में, ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया, जो उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला, मोटेल 6 की मूल कंपनी है। इससे ओयो अमेरिका में सबसे बड़ा इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक बन गया है। उन्होंने भविष्य में अमेरिकी उपभोक्ता-आधारित व्यवसायों में भारतीय कंपनियों द्वारा बड़े निवेश की संभावना जताई। कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्टार्टअप प्रधानमंत्री कहते हुए देश में स्टार्टअप परिवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने नए स्टार्टअप के लिए करीब दो अरब डॉलर की पूंजी उपलब्ध कराई है। इस चर्चा के दौरान यह भी खबरें आईं कि प्रिज़्म को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

विमानन क्षेत्र को राहत : 10,000 करोड़ का एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष मंजूर

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विमान ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती लागत से जूझ रही भारतीय विमानन कंपनियों को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार ने एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष के रूप में 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र को ईंधन की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से बचाना है। यह सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को ब्याज-मुक्त कर्ज के रूप में प्रदान की जाएगी। ओएमसी इस राशि का उपयोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर रखने में करेंगी। सरकार का मानना है कि यह तंत्र विमानन कंपनियों को ईंधन मूल्य निर्धारण में अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने पर तेल कंपनियों को हुए नुकसान की भरपाई करेगा। यह योजना सभी इच्छुक अनुसूचित भारतीय विमानन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी, जो ओएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी और 3 साल तक (या जब तक सहायता राशि पूरी तरह वसूल न हो जाए) उनसे एटीएफ खरीदना जारी रखेंगी। इस कोष में एक वसूली तंत्र भी शामिल है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमतें निर्धारित बेंचमार्क से कम होंगी, तो

अतिरिक्त राशि तेल कंपनियों से वापस लेकर भारत के संचित निधि में जमा कर दी जाएगी, जब तक कि पूरी सहायता राशि वसूल न हो जाए।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर राजस्व में हेराफेरी का आरोप

मुंबई ।

सोने की रिफाइनिंग और जूलरी कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी के शेयर में गुरुवार को 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रमोटर राजेश मेहता के खिलाफ बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और राजस्व को 97-99 फीसदी तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि जांच और फोरेंसिक ऑडिट के दौरान कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं के कई संकेत मिले हैं।

नियामक के अनुसार कंपनी ने अपने राजस्व को 97 से 99 प्रतिशत तक बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाया, जिसे सेबी ने अत्यंत गंभीर और अभूतपूर्व मामला बताया है। कंपनी पर जांच में सहयोग न करने का भी आरोप है।

मार्च 2024 में बड़े ट्रेड रिसीवेबल्स को लेकर मिली शिकायत के बाद सेबी ने अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक की विस्तृत जांच शुरू की थी और बीडीओ इंडिया सर्विसेज को फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया था। इस खबर के बाद बीएसई पर राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के 110.15 रुपए से गिरकर गुरुवार को 104.65 रुपए पर खुला।

खाद्य तेल पैक आकार का होगा मानकीकरण, उपभोक्ताओं को मिलेगी स्पष्टता

उद्योग ने किया स्वागत, पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और पर्यावरण को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

सरकार जल्द ही खाद्य तेल के पैक आकार को मानकीकृत करने के लिए नए नियम पेश करने वाली है। इस कदम से उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में प्रचलित 850 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकार उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और प्रति लीटर वास्तविक लागत का आकलन करना मुश्किल बनाते हैं। केंद्र सरकार खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में बढ़ती गैर-मानक पैक आकारों की प्रवृत्ति (जैसे 850, 875, 900, 950 मिलीलीटर) से निपटना है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम का जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाएगा और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करेगा। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा कि मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मानकीकरण से न केवल उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा, बल्कि इसके पर्यावरणीय लाभ भी होंगे।

वैश्विक दबाव से महंगी हुई दवाएं, मरीजों पर बढ़ा बोझ

नए स्टॉक 8 से 17 फीसदी तक महंगे

मुंबई ।

वैश्विक महंगाई और बाधित सप्लाई चेन का असर अब आम आदमी की सेहत पर भी दिखने लगा है। कच्चे माल, पैकेजिंग व समुद्री परिवहन लागत में उछाल से दवा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है। इसका सीधा असर नए दवा स्टॉक पर पड़ा है, जहां कई आवश्यक दवाओं की कीमतें 8 से 17 फीसदी तक बढ़ गई हैं, जिससे मरीजों के मासिक खर्च में बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट और पेट्रोकेमिकल आधारित कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में 40 से 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और एल्युमीनियम भी महंगे हुए हैं। इस वृद्धि का असर पुराने स्टॉक पर सीमित है, लेकिन नए बैच की दवाएं अब अधिक कीमत पर मिल

रही हैं, खासकर एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक। फार्मा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में जल्द राहत नहीं मिली, तो भविष्य में कई और दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। इससे आम लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बढ़ेगा और मरीजों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

वेदांता ने पांच वर्षों में 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन किया कम

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और सघन वनीकरण से हासिल की उपलब्धि

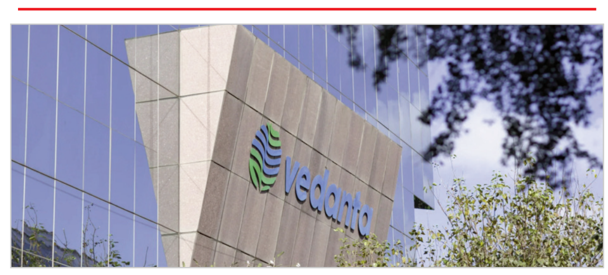

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी या अवशोषण कर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह कदम भारी उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वेदांता के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है, जहां विद्युत चालित यात्री वाहन, लोडर और फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से प्रति वर्ष लगभग 800 किलोलीटर डीजल की बचत हुई। सतत परिवहन व्यवस्था के तहत जलमार्ग पोत संचालन ने 2.1 लाख ट्रक यात्राओं को कम करके 1.08 करोड़ लीटर डीजल और लगभग 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत की। ऊर्जा दक्षता में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के माध्यम से 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की गई, जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ। पर्यावरण पुनर्स्थापन के तहत, गोवा की पुनर्वास खदान सहित अन्य स्थानों पर कुल 11 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल हजारों टन सीओ2 अवशोषित करते हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र में एलपीजी के स्थान पर प्राकृतिक गैस का उपयोग सालाना लगभग 1,500 टन सीओ2 उत्सर्जन को कम करेगा।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योगों को ऊर्जा उपयोग, परिवहन और पर्यावरण के साथ अपने संबंधों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स में होगी कटौती

1 जुलाई से बदलेंगे नियम, पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों पर होगा असर

नई दिल्ली ।

एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रे डिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, ऑनलाइन शॉपिंग और अन्य खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवॉर्ड पॉइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पॉइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पॉइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले कुल पॉइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पॉइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पॉइंट्स की सीमा तय की गई है।

ऑनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पॉइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है। एसबीआई कार्ड ने कुछ कैटेगरी को रिवॉर्ड सिस्टम से बाहर कर दिया है, जिनमें टोल/ब्रिज पेमेंट, गिफ्ट, ज्वेलरी और शैक्षणिक भुगतान शामिल हैं। फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम और यूपीआई ट्रांजैक्शन्स पर भी अब कोई रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। हालांकि एसबीआई ने स्पष्ट किया है कि अन्य कार्ड सुविधाएं पहले जैसी ही रहेंगी। कार्डधारकों को सलाह दी गई है कि वे 1 जुलाई 2026 से पहले इन नए नियमों को समझकर अपने खर्चों की योजना बनाएं ताकि उन्हें किसी अप्रत्याशित नुकसान का सामना न करना पड़े।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

> विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पाँच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्रप्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्न (ठमंज च्संेजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक

प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया?

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीखः यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी : जून से अगस्त तक भयंकर गर्मी का अलर्ट, अल नीनो बढ़ाएगा आफत

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने मध्यम या तीव्र अल नीनो का पूर्वानुमान लगाया है। उसने चेताया कि इससे न सिर्फ वैश्विक तापमान बढ़ने का खतरा है बल्कि आगामी महीनों में मौसम की चरम घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, गर्म समुद्री जल अल नीनो के विकास को बढ़ावा दे रहा है और जून से अगस्त तक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में औसत से अधिक तापमान रहने का अनुमान है। अल नीनो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में आवधिक वृद्धि है, जो आमतौर पर नौ से बारह महीने तक रहती है। डब्ल्यूएमओ ने कहा, यह अल नीनो नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। उसने कहा, अल नीनो कितना तेज होगा, यह अभी भी अनिश्चित है क्योंकि मौसम विज्ञान के मॉडल इसकी तीव्रता पर भिन्न-भिन्न राय रखते हैं, लेकिन अधिकारियों ने तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। डब्ल्यूएमओ की महासचिव सेलेस्ट साउलो ने कहा, तीव्र अल नीनो घटना के लिए तैयार रहना ही होगा, क्योंकि इससे सूखा और भारी वर्षा बढ़ेगी और जमीन तथा समुद्र दोनों पर लू का खतरा भी बढ़ेगा।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात : सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूंक दीं कारें

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। इस्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरे में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। इस्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व ड्यूटी के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है। खासतौर पर पिछले कुछ वर्षों में गाजा और फिर लेबनान, ईरान तथा यमन में शुरू लड़ाई के चलते युवाओं के लिए यह नियम परेशानी बन गया है। इससे परिवारों में भी असंतोष है। यह विवाद अब पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी गंभीर सियासी संकट का कारण बन गया है। अति-रूढ़िवादी दलों द्वारा सरकार से समर्थन वापसी के बाद गठबंधन में दरार गहरा गई है। इसके चलते इस वर्ष के चुनाव समय पूर्व कराए जा सकते हैं।

पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन, 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 53 वर्षीय एंड्रयू रिचर्ड ल्यूकार्ट को स्टार्के स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6:19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हैरॉ की हत्या और गंभीर बाल उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकार्ट पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईवी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, 'मैं माफी चाहता हूं।' घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकार्ट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्साकर्मी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने प्रेस वार्ता में बताया कि ल्यूकार्ट ने अंतिम भोजन लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने एक आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी। यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी।

इस्राइल का दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला धमाकों से दहले कई इलाके; एयरस्ट्राइक जारी

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और वार दोनों साथ चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनके दखल के बाद इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई रुक गई है। ट्रंप के मुताबिक, इस्राइल अब बेरूत पर हमला नहीं करेगा और हिजबुल्ला भी गोलाबारी रोकेगा। साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता भी आखिरी दौर में है। लेकिन जमीन पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। ट्रंप के इस दावे के कुछ ही घंटों बाद लेबनान की तरफ से दो रॉकेट दागे गए। इस्राइली वायुसेना ने इन्हें हवा में ही मार गिराया। दूसरी तरफ, ईरान ने भी अभी तक अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर दस्तखत नहीं किए हैं। सूत्रों का कहना है कि ईरान सिर्फ वादों पर भरोसा नहीं करेगा। वह प्रतिबंध हटाने और सुरक्षा के मोर्चे पर ठोस जमीनी कदम चाहता है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के मरजयून जिले के ब्लाट कस्बे को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना की ओर से यहां भीषण हमले जारी हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इससे पहले पास के दिब्बीन कस्बे में एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई थी। ईरान ने कुवैत-बहरीन पर दागी मिसाइलें, अमेरिका ने पलटवार में केश्म द्वीप को बनाया निशाना अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक

श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर जवाबी कार्रवाई भी की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने नोट किया कि ईरान ने क्षेत्रीय पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में विफल रहीं। सेंटकॉम ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ की गई रक्षात्मक कार्रवाइयों का विवरण देते हुए खुलासा किया कि कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें या तो लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं या रास्ते में ही नष्ट हो गईं। वहीं, बहरीन पर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन की वायु रक्षा बलों ने तुरंत रोक लिया। यूएई के परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमले के बाद आईएईए बोला- देंगे तकनीकी सहायता अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पुष्टि की है कि वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था संयुक्त अरब अमीरात को व्यापक समर्थन दे रही है। यह समर्थन पिछले महीने ड्रोन हमले में निशाना बनाए गए परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आधिकारिक दौरे के बाद दिया गया है। ग्रॉसी ने कहा कि अधिकारियों ने बरकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुई घटना पर असाधारण रूप से तीव्र परिचालन प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया और संयंत्र में बाहरी बिजली की आपूर्ति बाधित होने के तुरंत बाद रिएक्टर को बंद करने की प्रक्रिया को तेजी से अंजाम दिया। आईएईए प्रमुख ने आगे संकेत दिया कि सुविधा में मरम्मत के काम का पूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी आकलन और परिचालन गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जानी है। ग्रॉसी ने बिजली संयंत्र में आगामी रखरखाव कार्य की सटीक प्रकृति या समयसीमा के संबंध में कोई और विशिष्ट विवरण नहीं दिया। यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप 17 मई को ड्रोन हमले के कारण संयुक्त अरब अमीरात की एकमात्र परमाणु ऊर्जा सुविधा में लगी आग के बाद हुआ है, जिसकी पुष्टि बाद में राज्य के अधिकारियों द्वारा की गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संसद को बताया कि ईरान को दी जाने वाली कोई भी प्रतिबंध राहत परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी होगी, न कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी का कहना है कि ईरान में चल रही कई परमाणु गतिविधियां अब रुक गई हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि उसने बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर को अपंग कर दिया है, क्योंकि उसने ईरान के खर्ग द्वीप की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार और विकास संस्था का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से तेल आयात की लागत 20 अरब बढ़ सकती है, जिसका सबसे बुरा असर गरीब देशों पर पड़ेगा। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में घातक हमले जारी रखे हैं, जिसमें लेबनानी शहर अल-मरवानिया में हुआ एक हमला भी शामिल है, जिसमें चार वयस्कों और दो बच्चों की मौत हो गई। दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के एक ड्रोन हमले में चार इस्राइली सैनिक घायल हो गए हैं। होर्मुज खोल दिया होता तो नहीं होती नाकेबंदीः रूबियो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि नाकेबंदी का एकमात्र कारण यह है कि ईरान व्यापारिक जहाजों पर गोलीबारी कर रहा है। इसके पीछे सोच यह है कि अगर किसी और के जहाज बाहर नहीं निकल पाएंगे, तो ईरान के जहाज भी बाहर नहीं निकल पाएंगे। अगर ईरान ने वह करने पर सहमति जताई होती जो उसने युद्धविराम लागू होने के समय करने को कहा था, यानी होर्मुज को खोलना, तो यह नाकेबंदी नहीं होती। वे जो कर रहे हैं वह गैर-कानूनी और अवैध है।

ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए', आईएईए प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

रूबियो ने जोर दिया कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी को हटा देगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं और अभी भी निर्णय लेने में शामिल हैं,

लेकिन यह भी कहा कि मोजतबा केवल लिखित संदेश और मध्यस्थों के माध्यम से संवाद करता है। रुबियो ने कहा कि ईरान की बातचीत की प्रक्रिया बहुत केंद्रित प्रतीत होती है, ईरानी अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेशों के साथ एक मंजूरी के लिए परिषद को भेजा जाता है, एक प्रक्रिया जो उनके अनुसार प्रतिक्रिया देने से पहले तीन से पांच दिन तक का समय ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमले ईरान के मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को बहुत कम कर दिया है, लेकिन यह स्वीकार करते हुए कि तेहरान अभी भी बहुत सारे ड्रोन है, और यह नोट करते हुए कि ड्रोन का उत्पादन करना अपेक्षाकृत आसान है। इस्राइल और लेबनान के बीच चौथे दौर की यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब सीमा पर हमले अभी भी हमले जारी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दोनों देशों के बीच विवाद की जल्द समाधान की उम्मीद व्यक्त की। रूबियो ने बताया कि इस्राइल और लेबनान के बीच कल ही शांति समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस्राइल ने लेबनान में कोई क्षेत्रीय दावा नहीं किया है।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बेतुके आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दिया प्रस्ताव : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

जैमिसन ग्रीर ने जारी किया बयान : अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबरन श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैइससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने इन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है और इस पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

क्या है सेक्शन 301?: जिसके आड़ में दोबारा टैरिफ लगाने की फिराक में है यूएस, कैसे बन रही 60 देशों की लिस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत समेत 60 देशों के खिलाफ नए व्यापारिक कदम उठा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने संकेत दिया है कि 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत चल रही जांच के नतीजे आने वाले हफ्तों में जारी किए जाएंगे। जांच में दक्षिण कोरिया, चीन, जापान और भारत सहित 70 से अधिक देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा की जा रही है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर ने कहा कि अगर जांच में अनुचित व्यापारिक प्रथाएं, अत्यधिक उत्पादन क्षमता या जबरन श्रम से जुड़े मामलों की पुष्टि होती है, तो अमेरिका अतिरिक्त टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव ला सकता है।

धारा 301 के तहत कैसे तलाशी जा रही है संभावनाएं : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय

द्वारा जारी बयान के अनुसार, धारा 301 के तहत यह पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव डालती हैं और अमेरिकी कारोबार में बाधा उत्पन्न करती हैं। स्ज्ञक्रअमेरिका की वह संघीय एजेंसी है जो देश की विदेश व्यापार नीति तैयार करने और व्यापारिक जांच करने के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि भारत समेत 54 देश ऐसे उत्पादों के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिनके निर्माण में जबरन श्रम का इस्तेमाल होने की आशंका रहती है। इस सूची में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

क्या है सेक्शन 301 : सेक्शन 301 अमेरिका के 1974 के ट्रेड एक्ट का एक प्रावधान है, जो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को किसी देश की व्यापारिक नीतियों की जांच करने और उन्हें अमेरिकी हितों के खिलाफ या अनुचित पाए जाने पर जवाबी कार्रवाई की अनुमति देता है। इसके तहत अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ), व्यापारिक प्रतिबंध या अन्य दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। ग्रीयर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना और उत्पादन गतिविधियों को वापस अमेरिका लाना है। उनका दावा है कि लंबे समय से जारी अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और बढ़ते व्यापार घाटे के कारण अमेरिका को सख्त टैरिफ नीति अपनानी पड़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश-विशेष पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब सेक्शन 301 के तहत देशवार जांच कर नए टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में जांच रिपोर्ट आने के बाद भारत समेत कई देशों के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका! मार्को रूबियो बोले- हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

तीन दर्जन से ज्यादा देशों के साथ बातचीत : रूबियो ने कहा, 'दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।' उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियां ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत वित्तीय साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका: संसद में नया बिल पेश, एक साल में सामने आएगी रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था।

इस बिल में क्या है : अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और

संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं। रिपोर्ट में सरकारी जानकारी के साथ-साथ दूसरे स्वतंत्र स्रोतों की जानकारी भी शामिल होगी। साथ ही यह भी सुझाव दिए जाएंगे कि अमेरिका क्या कदम उठा सकता है, जैसे कि प्रतिबंध, वीजा रोकना या कूटनीतिक कार्रवाई करना।

अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं करना है' : क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उइगर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

अमेरिकी सांसद की चेतावनी: वीजा में देरी से US में डॉक्टरों की कमी का खतरा, जानें भारतीयों पर पड़ेगा कितना असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी है कि जे-1 वीजा छूट की प्रक्रिया में देरी के कारण विदेश में प्रशिक्षित सैकड़ों डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। इससे खासकर ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी और बढ़ सकती है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट प्रतिनिधि गिलिब्रैंड ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रशासनिक लंबित मामलों के कारण योग्य विदेशी डॉक्टर देशभर के अस्पतालों में नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इसमें न्यूयॉर्क के कई ग्रामीण और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्र भी शामिल हैं।

अमेरिका में काम करने वाले भारत के मेडिकल ग्रेजुएट्स सबसे ज्यादा : गिलिब्रैंड ने लिखा, 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स में प्रशासनिक रुकावट के कारण सैकड़ों योग्य विदेशी डॉक्टर अमेरिका में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पा रहे हैं।' यह मुद्दा भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स में भारतीय डॉक्टरों की संख्या सबसे अधिक है। गिलिब्रैंड ने कहा कि न्यूयॉर्क राज्य डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टरों पर काफी निर्भर है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टरों की भर्ती करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान योग्य डॉक्टरों को सिर्फ प्रशासनिक देरी के कारण खो नहीं सकते।

न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी : सीनेटर के अनुसार, न्यूयॉर्क के कुल डॉक्टरों में एक-तिहाई से अधिक विदेशी प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2025 की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 16 ग्रामीण काउंटियों में डॉक्टरों की भारी कमी है। कई काउंटियों

में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों के अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेवर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेवर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीनों की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीनों से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ सकता है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समयसीमा है। यदि तब तक उनके वेवर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाजा न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा। गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स बड़ी संख्या में आवेदनों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटाने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

ज्ञान गंगा –आचार्य सुदर्शन

खुद के दोस्त बनें हम

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश है। यही वजह है कि यहां युगों से धर्म की धारा बहती रही है। यहां के धर्मप्राण लोग इसमें डुबकी लगाकर अपना इहलोक और परलोक सुधारते हैं। यदि ध्यान से देखें तो प्राचीनकाल से लेकर अब तक यहां के धर्मप्राण लोगों ने संपूर्ण जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से ही समझने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए आप किसी शहरी श्रमिक को श्रम करते हुए देखें या गांव में हल चलाते किसी हलवाहे को और आप उनसे बात करें तो वह भी बस यही कहते हुए मिलेंगे कि इस जीवन का क्या ठिकाना? आज है, कल नहीं, फिर काहे की चिंता आदि। इस प्रकार यदि देखें तो यहां के लोगों में आध्यात्मिक दृष्टि इस कदर समा चुकी है कि वे बचपन से लेकर जवानी तक और जवानी से लेकर वृद्धावस्था तक केवल और केवल अध्यात्म की बातें करते रहते हैं। ऐसा करके वे अपना इहलोक और परलोक, दोनों सुधार लेना चाहते हैं।

एक गांव की बात है। एक संत वहां के मंदिर में बैठकर पूजा-अर्चना कर रहे थे। वे साधना में ऐसे लीन हो गए कि शाम हो गई और अंधेरा छाने लगा। तभी एक छोटा बच्चा उस मंदिर में आया। उसने जेब से माचिस निकालकर मंदिर में रखे दीपक को जला दिया। मंदिर में प्रकाश देखकर संत ने बच्चे से पूछा, बेटा! यह बताओ कि यहां प्रकाश कहां से आ गया? बच्चे को कोई उत्तर नहीं सूझा, इसलिए उसने फूंक मारकर दीपक बुझा दिया और संत से कहा, हे महात्मन! वह प्रकाश जहां से आया था, वहीं चला गया। संत हतप्रभ रह गए और उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि यह छोटा बच्चा भी मानता है कि सृष्टि में उस परमात्मा की ही शक्ति है जिसने इसकी रचना की है। उस दीपक के प्रकाश की तरह आप सब भी वहीं वापस चले जाएंगे, जहां से आए हैं। प्रभु का स्मरण करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

खबरें जरा हटके

जमीन पर बिछे मिले एक अरब के नोट, नहीं कर सकते खर्च

नई दिल्ली। सड़क पर अगर एक भी नोट गिरा हुआ मिलता है तो हम उसे उठाने में जरा सी भी देर नहीं करते, सोचिए अगर आपको सड़क पर अरबों रुपए बिछे हुए मिल जाएं तो। शायद आप ये ही नहीं साचे पाएंगे कि इतने सारे रुपयों को अपने साथ कैसे लेकर जाएं। हाल ही रूस के सेंट पीटर्सबर्ड में एक समूह को एक दलदली उजाड़ जगह पर एक अरब रूबल के नोट मिले।

वर्तमान एक्सचेंज रेट के अनुसार इन नोटों की भारतीय मुद्रा में कीमत 113 करोड़ रुपए बनती है, लेकिन खोजने वालों को इन नोटों को खर्च करने की अनुमति नहीं है। पूर्व सोवियत संघ के दौर के ये नोट अब ये चलन से बाहर हो चुके हैं। यह जगह राजधानी मॉस्को से 160 किलोमीटर दूर, व्लादिमीर क्षेत्र में है। यह एक पुरानी खदान है, जहां सोवियत संघ के दौर में मिसाइलें रखी जाती थीं। ग्रुप ने अफवाह सुनी थी कि उस इलाके में काफी पैसा दबा है, इसलिए वह वहां खोजबीन के लिए गया था।

यह जानकारी सामने आते ही देशभर के मीडिया में चर्चाएं होने लगीं। पुरातत्व विभाग के अफसरों ने जांच करने के बाद बताया कि वे नोट सोवियत संघ के दौर के हैं। उन्हें वर्ष 1961 से 1991 के बीच जारी किया गया था। हालांकि, अब उन नोटों की कोई कीमत नहीं है। ये लगभग एक अरब रूबल के नोट हैं। कुछ विशेषज्ञों ने बताया कि ये नोट जिस जगह पर मिले हैं, वहां कभी मिसाइलें रखी जाती थीं। हालांकि, अब उस जगह की पहचान खदान के तौर पर है। एक अनुमान यह भी है कि कुछ वर्ष पहले वहां बाढ़ आई थी, उसी में ये नोट बहकर खदान तक पहुंच गए होंगे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस खदान के पास नोट मिले हैं, वहां आसपास कोई रहने की हिम्मत नहीं करता। उस जगह पर कभी सोवियत संघ का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम चलता था। उसके कारण पूरा क्षेत्र रेडिएशन से प्रभावित है। एक अफसर ने बताया कि सोवियत दौर में 100 रुबल वाला वेतन भी बहुत अच्छा समझा जाता था। तब इतने नोट किसके पास रहे और उन्हें इस तरह क्यों छोड़ दिया गया, यह कोई नहीं जानता।

इस चर्च में रोबोट देता है आशीर्वाद, पढ़ता है बाइबल

नई दिल्ली। आप चर्च गए हों तो देखा होगा कि वहां प्रेयर्स से लेकर बाइबल पढने् और आशीर्वाद देने का काम पादरी करते हैं। जिस तरह मंदिर में पंडित जी का खास स्थान होता है, उसी तरह चर्च में पादरी को दखा जाता है। हालांकि आप जर्मनी के एक चर्च के बारे में सुनकर हैरान रह जाएंगे। इस चर्च में पादरी नहीं है, बल्कि उनकी जगह एक रोबोट है। ब्लेस यू-2 नाम का यह रोबोट बाकायदा हाथों से आशीर्वाद देता है और उसके हाथों से रोशनी भी निकतल है।

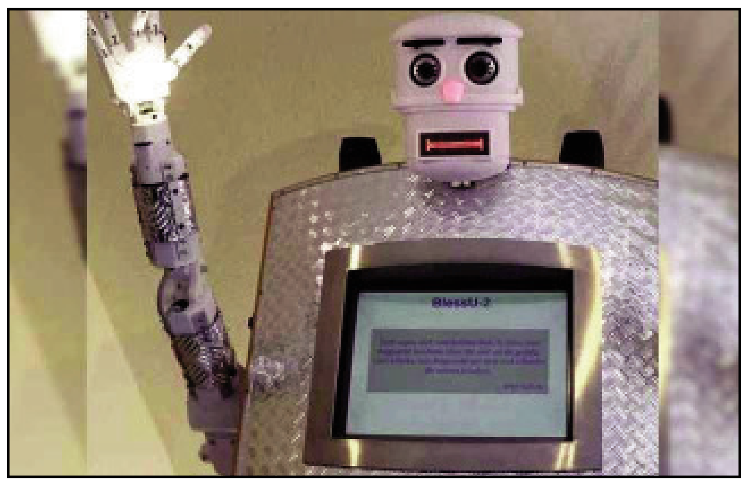

इस रोबोट को विटेनबर्ग में लॉन्च किया गया है। जर्मन पादरी मार्टिन लूथर की द नाइंटी फाइव थीसिस के प्रकाशन के 500 साल पूरे होने के मौके पर इस रोबोट को लॉन्च किया गया। चर्च के मुताबिक लोगों को आशीर्वाद देने से पहले रोबोट उनसे पूछता है कि वे पुरुष की आवाज में आशीर्वाद चाहते हैं या महिला की आवाज में। वह इसके बाद यह भी पूछता है कि उन्हें किस तरह का आशीर्वाद चाहिए।

जिस तरह से व्यक्ति इच्छा जताता है, उस तरह से ये रोबोट मुस्कुराते हुए बांहें फैला देता है और आशीर्वाद देता है। यह बाइबिल की पंक्तियां भी पढ़ता है -ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें।

सेहत

इन घरेलू उपायों को बनाएं शरीर का सुरक्षा कवच

डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, लू लगना और मसूड़ों की तकलीफ ऐसी समस्याएं हैं जो आए दिन हर किसी को परेशान करती हैं। घरेलू उपायों के सुरक्षा कवच से इन रोगों से आसानी से लड़ा जा सकता है। तेज धूप की वजह से सिरदर्द हो तो लौकी का गूदा निकालकर पीस लें और माथे पर लेप करें, तुरंत आराम मिलेगा।

एक चम्मच सौंफ रात को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इसी पानी में सौंफ को मसलने के बाद छानकर थोड़ी चीनी मिलाकर पिएं, शरीर को ठंडक मिलेगी। 25 ग्राम गुलाब के फूल, मिश्री, सौंफ और वंशलोचन (तीनों 10 ग्राम) को पीसकर पाउडर बना लें। सुबह और शाम पानी के साथ आधा चम्मच पाउडर लेने से फोड़े, फुंसी, दाद और खुजली में लाभ होगा।

गुलकंद को एक चम्मच की मात्रा में रात को गुनगुने पानी या दूध के साथ खाने से कब्ज, गर्मी, मुंह के छाले और रक्तसंचार दुरुस्त होता है। दो टमाटर को काली मिर्च के साथ पीस लें। भोजन करने से पहले इसे खाने से पेट में कीड़ों की समस्या दूर होती है। नमक व सरसों का तेल मिलाकर मंजन करने से मसूड़े मजबूत होते हैं।

लू लगने पर प्याज को सलाद के रूप में और कैरी (कच्चा आम) को सब्जी या पना बनाकर प्रयोग करें। बिच्छू या मधुमक्खी के काटने पर प्याज का रस व नौसादर मिलाकर लगाने से जहर दूर होता है और दर्द में आराम मिलता है। दाद, खाज जैसे त्वचा रोगों में कच्चे पपीते का दूध लाभकारी होता है। हरड़ और पीपल के चूर्ण को बराबर मात्रा में तुलसी के रस के साथ पीने से खांसी में आराम मिलता है। सिरदर्द में लौंग पीसकर माथे पर लेप करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

सर्किट- भाई, बापू ने बोला था कि कभी झूठ नही बोलना मंगता है, अपून आज से कभी झूठ नही बोलुंगा भाई।

मुन्ना भाई- ? सर्किट, वो सुनिता का बाप आया है तेरे को ढूंढ रहा है

सर्किट- भाई उसको बोलो अपून गांव गया है, खेती करने को।

मुन्ना भाई- पर सर्किट अभी तो तू बोल रहा था कि कभी झूठ नही बोलेगा

सर्किट- भाई, अपून झूठ नही बोलेगा, पर तुम तो बोल सकता है, ना भाई।

अजीत- माइकल इसके एक हाथ में लाल और दूसरे हाथ में हरा रंग लगा दो।

माइकल- लेकिन क्यो बॉस ?

अजीत- बेवकूफ, इतना भी नही जानते, जब पुलिस आएंगी तो उसे रंगे हाथो पकड लेगी।

एक चोर को चोरी के जुर्म में जीप में बैठाकर जेल ले जाया जा रहा था। वह बहुत खुश था।

सिपाही ने चोर से पूछा- तुम इतने खुश क्यों हो ?

चोर ने कहा- आज मैं पहली बार जीप में बैठा हूं।

काकुरो पहेली - 4075

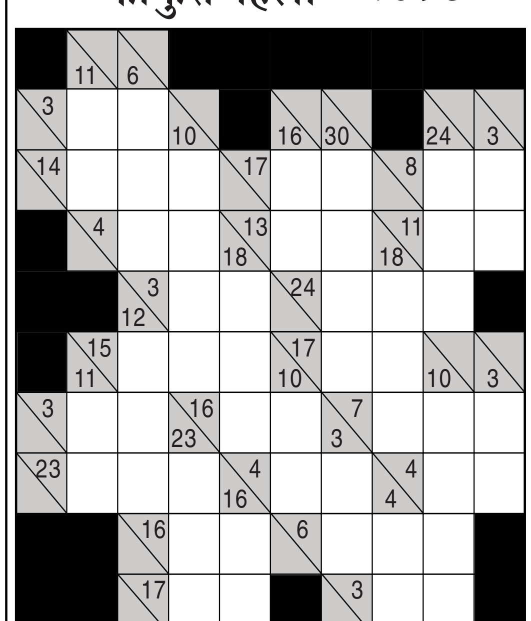

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

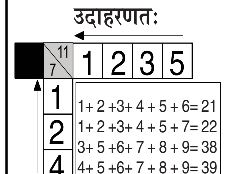

काकुरो 4074 का हल

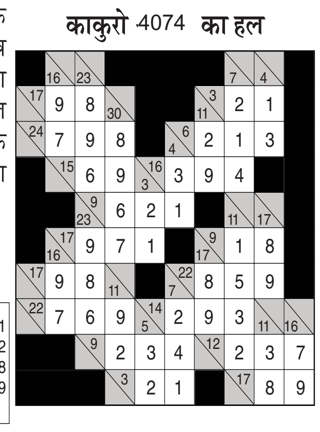

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

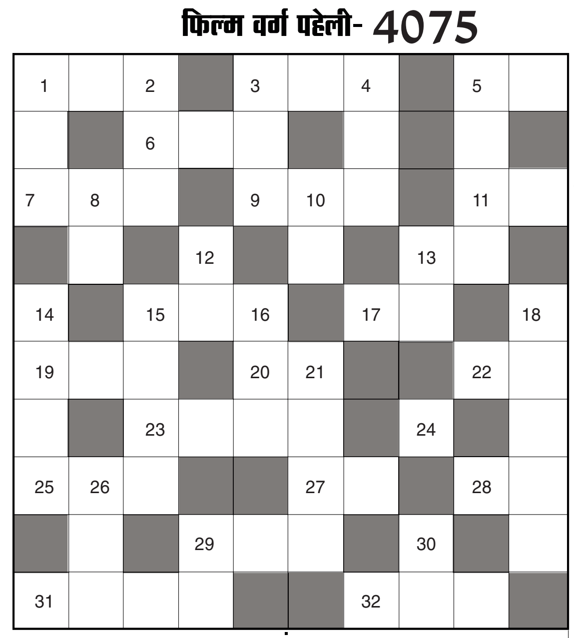

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

सूडोकु -4075

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4074 हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 4075

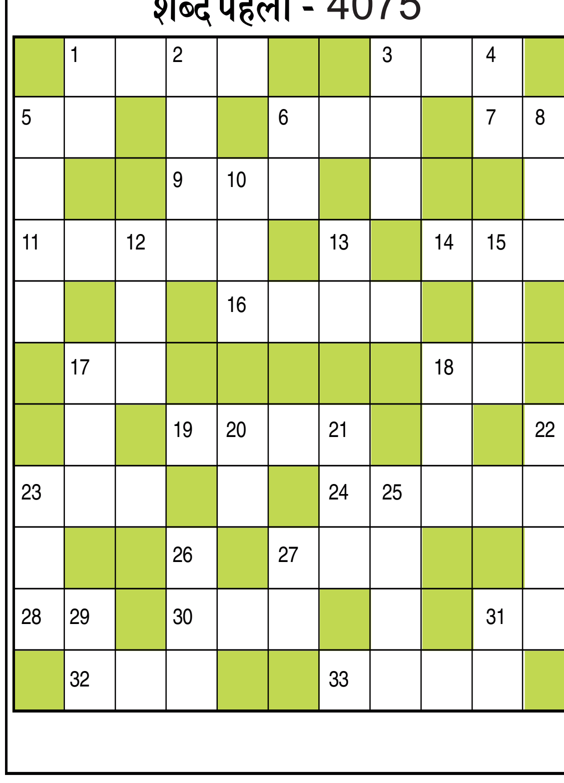

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4074 का हल

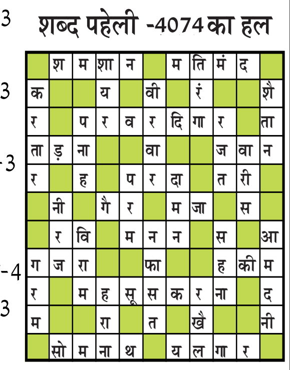

छत्तीसगढ़ के कांकेर के पहाड़ी क्षेत्र से तीन टिफिन बम बरामद, मौके पर निष्क्रिय किए गए

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर ज़िले में लगातार चल रही सुरक्षा मुहिम के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों ने बड़ा सफलता हासिल की। थाना छोटेबेठिया के ग्राम हिदुर के पहाड़ी क्षेत्र से तीन टीफिन बम बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही सुरक्षित ढंग से निष्क्रिय कर दिया गया। कांकेर पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) तथा बम निरोधक दस्ते (आईईडी/बीडीटी) की संयुक्त टीम ने आज तलाशी अभियान के दौरान तीन टीफिन बम बरामद किए। प्रत्येक टीफिन बम लगभग 3-3 किलोग्राम वजनी था और सभी को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। कोई हताहत या संपत्ति को नुकसान की सूचना नहीं है। कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल कुमार राखेचा ने बताया कि यह संयुक्त अभियान नक्सल प्रभावित सीमावर्ती इलाकों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सघन तलाशी और सुरक्षा चेक-पॉइंट्स भविष्य में भी जारी रहेंगे ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने का आग्रह किया ताकि ऐसी किसी भी खतरनाक सामग्री का समय पर पता लगाया जा सके।

ट्विशा शर्मा मौत मामलाः नोएडा पहुंची सीबीआई ने करीबी रिश्तेदारों से पूछताछ कर दर्ज किए बयान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेट ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले की जांच कर रही सीबीआई की टीम नोएडा पहुंची। यहां टीम ने ट्विशा की बहन, भाभी, रिश्तेदारों और सहेलियों के बयान दर्ज किए। इधर, भोपाल की केंद्रीय जेल में बंद ट्विशा की सास, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष गिरिबाला सिंह और उनके पुत्र अधिवक्ता समर्थ सिंह की पहली रात जेल में आम विचाराधीन बंदियों की तरह बीती। दोनों को जेल नियमों के तहत सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं और किसी प्रकार की विशेष व्यवस्था नहीं की गई। दरअसल, सीबीआई ने मंगलवार शाम को कड़ी सुरक्षा के बीच मां गिरीबाला सिंह और बेटे समर्थ को भोपाल के केंद्रीय जेल भेज दिया था। जेल प्रशासन ने गिरिबाला सिंह को विचाराधीन बंदी क्रमांक 71 आवंटित कर महिला वार्ड के ए-खंड में रखा है। सुरक्षा कारणों से उन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वहीं समर्थ सिंह को विचाराधीन बंदी क्रमांक 1782 देकर पुरुष मेडिकल वार्ड में रखा गया है। केन्द्रीय जेल में गिरिबाला सिंह और समर्थ के शुरुआती 24 घंटे सामान्य दिनचर्या में बीते। जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों का मेडिकल चेकअप किया गया। गिरिबाला ने रात में आराम से पूरी नींद ली, जबकि समर्थ घबराया हुआ नजर आया।

मध्य प्रदेश भी शीघ्र ही बन जाएगा देश का यूसीसी लागू करने वाला राज्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में एक निशान, एक विधान और एक कानून लागू हो, इस राष्ट्रीय भावना में कुछ भी गलत नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को देश के तीन राज्यों ने पहले ही लागू कर दिया है। हमारी सरकार भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शीघ्र ही मध्य प्रदेश भी देश का यूसीसी लागू करने वाला राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया@2047 कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए हमने उच्चतम न्यायालय की रिटायर्ड जज न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीति गठित कर दी है। यह समिति जिला स्तर पर सभी वर्गों से उनकी राय ले रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनजातीय समुदाय को यूसीसी से पृथक रखा जाएगा। उन्हें अपने पारम्परिक रीति-रिवाज मानने की स्वतंत्रता होगी। गुजरात में भी इसी प्रकार का प्रावधान लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति योग्य है, तो सरकार जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर कार्य करती है। आज जनजातीय वर्ग से आने वाली द्रोपदी मुर्मू देश के राष्ट्रपति पद की शोभा बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम मध्य प्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए खुले विचार और खुले हृदय के साथ काम करेंगे।

गुजरात के शहर होंगे वायर फ्री, 2030 तक बिजली की सभी लाइनें होंगी अंडरग्राउंड

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने राज्य के शहरों को अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'गुजरात वायर फ्री सिटी मिशन' को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत वर्ष 2030 तक राज्य के सभी शहरी क्षेत्रों में ओवरहेड बिजली लाइनों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत (अंडरग्राउंड) केबल नेटवर्क में परिवर्तित किया जाएगा। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि यह मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ग्रीन और स्मार्ट सिटी' विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि मिशन के प्रारंभिक चरण के लिए राज्य सरकार ने 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था को मंजूरी दी है। मंत्री वाघाणी ने बताया कि 'गुजरात वायर फ्री सिटी मिशन' के अंतर्गत राज्य की सभी 17 महानगर पालिकाओं और 151 नगरपालिकाओं को शामिल किया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद शहरों की सुंदरता, सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शहरों में फैले बिजली के तार न केवल शहरी सौंदर्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि कई बार दुर्घटनाओं और तकनीकी बाधाओं का कारण भी बनते हैं।

'ईमानदारी से काम करोगे तो लंबे समय तक सेवा का अवसर मिलेगा', विपक्ष को नीरज कुमार की नसीहत

एजेंसी

पटना । जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित रहने वाले प्रधानमंत्री बनने पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है। समाचार एजेंसी खास बातचीत में नीरज कुमार ने कहा कि ऐसे समय में जब कुछ लोग लोकतंत्र का गला घोंटने के आरोप लगा रहे हैं, विपक्ष को यह याद रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए हैं, मनोनीत नहीं। उन्होंने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि यदि कोई ईमानदारी से काम करे और जनता के प्रति समर्पित रहे

तो उसे भी लंबे समय तक सेवा करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'ईर्ष्या-द्वेष में रहिएगा तो राजनीति में उच्च रक्तचाप का शिकार हो जाइएगा।' मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से हुई मौतों पर नीरज कुमार ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि तड़के करीब तीन बजे अस्पताल के आईसीयू में कथित तौर पर आग लग गई, जिससे वहां भर्ती गंभीर मरीजों की जान खतरे में पड़ गई। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। जेडीयू प्रवक्ता ने आगे कहा कि जिला प्रशासन ने मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है और उसे जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ओर से मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की गई है। साथ ही, प्रशासनिक जिम्मेदारी तय करने और यह जांच करने के निर्देश दिए गए हैं कि अस्पताल में निर्धारित एसओपी का पालन किया गया था या नहीं। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हालिया बयान पर भी नीरज कुमार ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति का बैताल और अहंकार ममता बनर्जी के सिर चढ़कर बोल रहा है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का यह कहना कि जो पार्टी में रहना चाहता है वह रहे और जो नहीं रहना चाहता वह जा सकता है, उनके अहंकार को दर्शाता है। नीरज कुमार ने दावा किया कि इसी कारण टीएमसी के मेयर और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं।

म्यांमार से सुपारी तस्करी नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, मिजोरम में नौ ठिकानों पर छापे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मिजोरम-म्यांमार सीमा पर म्यांमार की सूखी सुपारी (अरेका नट) की तस्करी से जुड़े संगठित नेटवर्क के खिलाफ गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मिजोरम के सीमावर्ती शहर चंफाई में नौ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई का केंद्र तस्करी नेटवर्क से जुड़े प्रमुख स्थानीय सहयोगियों के आवास और व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं।

ईडी ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी म्यांमार से तियाउ नदी के रास्ते बड़ी मात्रा में अवैध सुपारी भारत लाते थे। इसके बाद माल को स्थानीय गोदामों में रखा जाता था और फर्जी ई-वे बिल तथा जाली दस्तावेजों के जरिए उसे स्थानीय स्तर पर खरीदा गया वैध माल बताकर बाजार में खपाया जाता था। जांच एजेंसी के अनुसार, इस अवैध कारोबार के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपये का धन उत्पन्न किया गया और उसे विभिन्न माध्यमों से छिपाने तथा वैध दिखाने का प्रयास किया गया।

एजेंसी की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने सीमा क्षेत्र में अपनी जनजातीय पहचान का लाभ उठाते हुए सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष 'फ्रंट क्लेमेंट' के रूप में भूमिका निभाई। वे जब्त की गई तस्करी की खेप को छुड़ाने के लिए पुराने और असंबंधित आयात दस्तावेजों का इस्तेमाल करते थे तथा माल पर वैध स्वामित्व का दावा करते थे।

भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के खिलाफ कोलकाता में भाजपा का प्रदर्शन, ईडी-सीबीआई जांच की मांग

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भाजपा नेता प्रियंका टिबरेवाल के नेतृत्व में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एंटाली क्षेत्र में भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, सिंडिकेट राज और अवैध भूमि कब्जाने के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों ने इन आरोपों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों से कराने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन मौलाली स्थित रामलीला मैदान से शुरू हुआ और कोलकाता के जनबाजार क्षेत्र तक निकाला गया। मार्च का गंतव्य पूर्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक स्वर्ण कमल साहा और वर्तमान टीएमसी विधायक संदीपन साहा के आवास के सामने था। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता प्रियंका टिबरेवाल ने टीएमसी नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा ने जनता के पैसे को लूटा है। पिछले दो दिनों से संदीपन साहा यह कह रहे हैं कि उनका टीएमसी के भ्रष्टाचार से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वे कोई संत नहीं हैं, ये सभी चोर हैं। चोरी का जवाब कौन

देगा? ' उन्होंने कहा कि आज लोग प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए थे। मुझे इसकी जानकारी हुई तो मैं भी इस प्रदर्शन में शामिल हो गई।

प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत रखते हुए आरोप लगाया कि उनकी जमीन हड़पने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, 'हमारा मुद्दा यह है कि दुर्गापुर जिले के वार्ड नंबर 18 में हमारी जमीन है, जहां हम खेती करते हैं। संदीपन साहा और उनके बेटे ने हमसे कहा था कि वे एक वर्ग फुट जमीन के बदले 50,000 रुपए देंगे, लेकिन हमें आज तक पैसे नहीं मिले। ' प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियां चल रही हैं तथा स्थानीय लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

फिलहाल, टीएमसी नेताओं की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

वहीं, टीएमसी में इस वक्त बवाल चल रहा है। एक तरफ पार्टी टूट के मुहाने पर खड़ी है, तो वहीं पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी कई मामलों में जांच के घेरे में हैं। सीआईडी के साथ ही ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज, हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दृष्टि से ये मुलाकात अहम है। ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले दिन में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रोड्रिगेज से मुलाकात की और भारत-वेनेजुएला साझेदारी को मजबूत करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को सराहा।

विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रोड्रिगेज की बैठक द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करेगी। बैठक के बाद जयशंकर ने एक्स पर लिखा, 'आज नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात कर खुशी हुई। भारत-वेनेजुएला संबंधों के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हम गहरा सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बैठक हमारे सहयोग को और मजबूत करेगी। ' रोड्रिगेज भारत और वेनेजुएला के बीच संबंधों को और गहरा करने के

उद्देश्य से पांच दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। भारत के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा, 'यह यात्रा भारत-वेनेजुएला संबंधों को और गहरा करेगी तथा द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति प्रदान करेगी। ' विदेश मंत्रालय के अनुसार, रोड्रिगेज के साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसके सदस्य ऊर्जा, दवा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। इसका उद्देश्य भारत की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को समझना तथा सहयोग के नए अवसर तलाशना है।मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में भारत, वेनेजुएला का एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय निवेश किया है और वे अपनी उपस्थिति को और बढ़ाने की संभावनाएं तलाश रही हैं। भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक दक्षिण के प्रति साझा प्रतिबद्धता के आधार पर सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

केरल सरकार ने एडीएम नवीन बाबू की मौत का मामला सीबीआई को सौंपा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । कन्नूर के पूर्व एडीएम नवीन बाबू की मौत से जुड़ा मामला, जिसने केरल में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था, आखिरकार सीबीआई को सौंप दिया गया है। यह फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया, जिसमें नवीन बाबू के परिवार की लंबे समय से चली आ रही मांग को मान लिया गया। परिवार ने पुलिस की चल रही जांच पर अविश्वास जताया था। कैबिनेट ने यह भी फैसला किया कि नवीन बाबू की बेटी निरंजना को 'आश्रित नियुक्ति योजना' के तहत सरकारी नौकरी दी जाएगी। सीबीआई जांच की सिफारिश करने का यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि नई सरकार के सत्ता में आने के बाद यह ऐसा पहला मामला है। पिछली सरकार ने सीबीआई को राज्य में सीधे मामले अपने हाथ में लेने के लिए दी गई आम सहमति वापस ले ली थी, इसलिए केंद्रीय एजेंसी के दखल के लिए राज्य सरकार की ओर से एक खास सिफारिश की जरूरत थी।

इस कदम से सीपीआई(एम) के नेतृत्व के बैकफ़ुट पर आने की उम्मीद है। विपक्ष शायद अपने आरोपों को और तेज करेगा कि पिछली सरकार ने सीपीआई(एम) नेता और कन्नूर जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष पी.पी. दिव्या को बचाने की कोशिश की थी। दिव्या ही अब तक जमा की गई चार्जशीट में नामजद एकमात्र आरोपी हैं।

नवीन बाबू के परिवार ने शुरू से ही स्थानीय पुलिस और विशेष जांच दल की जांच पर गंभीर आपत्तियां उठाई थीं। परिवार ने आरोप लगाया कि जांच में उनकी मौत के पीछे के असली हालात सामने नहीं आ पाए और उन्होंने किसी केंद्रीय एजेंसी से जांच करवाने की मांग की। परिवार का कहना था, 'सिर्फ सीबीआई जांच ही सच सामने ला सकती है और नवीन बाबू को इंसाफ दिला सकती है।' नवीन बाबू 15 अक्टूबर 2024 को कन्नूर के पल्लीकुन्नू स्थित अपने सरकारी आवास पर फंदे से लटके पाए गए थे। यह दुखद घटना कन्नूर कलेक्ट्रेट में उनके विदाई समारोह के ठीक एक दिन बाद हुई। इस समारोह में पी.पी. दिव्या, जो उस समय जिला पंचायत अध्यक्ष थीं, बिना किसी न्योते के पहुंच गईं और उन्होंने सबके सामने नवीन बाबू की आलोचना की। दिव्या ने एक पेट्रोल पंप के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी करने के मामले में नवीन बाबू पर आरोप लगाए थे। विदाई समारोह के वीडियो और तस्वीरें बड़े पैमाने पर फैलने के बाद, बताया जाता है कि नवीन बाबू कलेक्ट्रेट से बेहद दुखी होकर निकल गए थे; उन्होंने उन्हें दिए गए तोहफे भी स्वीकार नहीं किए थे। उन्होंने 'मालाबार एक्सप्रेस' में टिकट बुक करवाया था, जिसे रात 8:55 बजे कन्नूर से रवाना होना था। अगले दिन सुबह चेंगन्नूर पहुंचे उनके रिश्तेदारों ने अधिकारियों को बताया कि नवीन बाबू ट्रेन में नहीं थे। बाद में उनके ड्राइवर ने उन्हें उनके घर पर मृत पाया। इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जिसके चलते पी.पी. दिव्या को जिला पंचायत अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देना पड़ा। बाद में, इस मामले के सिलसिले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अब सीबीआई जांच में यह देखा जाएगा कि क्या दिव्या को विदाई समारोह में लाने में कोई और भी शामिल था, नवीन बाबू पर लगे आरोपों से जुड़े हालात क्या थे, और पेट्रोल पंप विवाद से जुड़े संभावित तार कहां तक फैले हैं। हालांकि, नवीन बाबू की बेटी को आश्रित कोटे से नौकरी देने के फैसले से सरकार को पीड़ित परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जताने में मदद मिली है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि क्या जांच में इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की पहचान हो पाएगी और क्या उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा किया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री पांच जून को गुजरात और दमन के दौरे पर, 21,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल (5 जून) गुजरात और दमन का दौरा करेंगे। इस दौरान वो गुजरात के सूरत में लगभग 18,800 करोड़ रुपये और दमन में लगभग 2,970 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री लक्षद्वीप के लिए 885 करोड़ रुपये की बंदरगाह परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आज बताया कि वो कल दोपहर करीब 2:30 बजे सूरत जिले के हजीरा पहुंचकर वहां चल रही औद्योगिक गतिविधियों और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वह सड़क, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। सूरत में प्रधानमंत्री वडोदरा-मुंबई आठ लेन नियंत्रित प्रवेश (एक्सेस कंट्रोल्ड) एक्सप्रेसवे के पैकेज-6 और पैकेज-7 राष्ट्र को समर्पित करेंगे। साथ ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के महत्वपूर्ण हिस्सों को चार लेन बनाने की परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इससे आदिवासी क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था मजबूत होगी और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंच आसान बनेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री सूरत में 200 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का भी उद्घाटन करेंगे। अस्पताल में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के साथ केंद्रीय प्रयोगशाला तथा 24 घंटे आपात और ट्रॉमा देखभाल की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा वह अंतरराज्यीय विद्युत पारेषण प्रणाली के तहत गुजरात की ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार परियोजना का उद्घाटन करेंगे। वलसाड में विद्युत वितरण प्रणाली उन्नयन, दहेज पेट्रोलियम-रसायन एवं पेट्रो-रसायन निवेश क्षेत्र तथा सरीगाम औद्योगिक विकास निगम में अपशिष्ट निस्तारण एवं शोधन अवसंरचना और जंबूसर बल्क ड्रग पार्क की उपयोगिता परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

संबल सखी और माय भारत वॉलिंटियर्स सरकार और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी - सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की युवा और महिला शक्ति हमारी सबसे बड़ी ताकत है। युवा और महिलाएं जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाएं। मुख्यमंत्री बुधवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर संबल सखी एवं माय भारत वॉलिंटियर्स से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा, महिला, किसान, गरीब के उत्थान, कल्याण और सम्मान के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार और आमजन के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बनें, जिससे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, डिजिटल सेवाओं, ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित सुविधाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुंचे और उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से देश में लिंगानुपात में सुधार हुआ, घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की सुनिश्चितता हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के जरिए धुएं से मुक्ति मिली और जन-धन खातों के खुलने से जरूरतमंदों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए महिलाओं के हाथ में घर की चाबी सौंपी गई। वहीं, आधी आबादी को उसका हक देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में बेटियों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध करवाने के साथ ही प्रोत्साहन के रूप में स्कूटी दे रही है। इसके लिए अब सीधे उनके खातों में रुपये जमा करने का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए सबसे पहले हमने जल उपलब्धता का रोडमैप बनाया, जिसके तहत राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना का विस्तार, आईजीएनपी एवं गंग नहर का सुदृढ़ीकरण, माही बांध परियोजना, सोम-कमला-अम्बा परियोजना, ब्राह्मणी नदी परियोजना जैसे कार्य प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। इसी दिशा में हमने ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया है। वहीं, वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य तय किया है तथा अब तक 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के क्रम में अब तक सवा लाख से अधिक पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। वहीं, प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देकर निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए राइजिंग राजस्थान का आयोजन किया।

दिल्ली होटल अग्निकांड में राजस्थान का अग्रवाल परिवार तबाह : बीमार पिता के पास पहुंचे थे छह लोग, पोती-बहू समेत परिवार के 8 सदस्यों की मौत

एजेंसी

जयपुर/नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड में राजस्थान के एक रसूखदार परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। साकेत के मैक्स अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे एक बीमार बुजुर्ग पिता के अंतिम दिनों में उनका साथ देने पहुंचे राजस्थान और बेंगलुरु के अग्रवाल परिवार के 8 सदस्यों की इस हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बुधवार सुबह होटल में लगी आग ने इस हंसते-खेलते परिवार की तीन पीढ़ियों को एक झटके में खत्म कर दिया। हृदयविदारक बात यह है कि अस्पताल के आईसीयू में वेंटिलेटर पर भर्ती बुजुर्ग को अभी तक इस सामूहिक मौत की भनक तक नहीं लगने दी गई है।

अंतिम समय में साथ रहने राजस्थान से दिल्ली पहुंचा था परिवार

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से राजस्थान पृष्ठभूमि का यह अग्रवाल परिवार देश के अलग-अलग शहरों में बसा हुआ था। परिवार के 75 वर्षीय मुखिया राधेश्याम फेफड़ों के गंभीर संक्रमण (लंग इन्फेक्शन) के चलते दिल्ली के मैक्स अस्पताल में बेहद नाजुक स्थिति में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने जब परिवार को संकेत दिया कि

राधेश्याम की हालत चिंताजनक है, तो राजस्थान, बेंगलुरु और गुरुग्राम से उनके बेटे, बहुएं और पोतियां आखिरी समय में उनके पास रहने के लिए दिल्ली खिंचे चले आए।

अस्पताल के नजदीक रहने की चाहत बनी काल

बुजुर्ग राधेश्याम की देखभाल और अस्पताल के नजदीक रहने के लिए परिवार ने पास ही स्थित 'फ्लरिश स्टे होटल' में कुछ कमरे बुक किए थे। परिवार का यह फैसला जो उन्हें इस संकट की घड़ी में एक-दूसरे के करीब लाने के लिए था, वही उनके लिए काल बन गया। बुधवार सुबह जब होटल के ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टोरेंट से आग भड़की, तो ऊपरी मंजिलों पर मौजूद इस परिवार को संकरे रास्तों के कारण बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

एक साथ खत्म हो गई तीन पीढ़ियां

इस भयावह हादसे में राजस्थान के इस परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ खत्म हो गईं। जान गंवाने वाले 8 सदस्यों में राधेश्याम की 70 वर्षीय पत्नी प्रेमलता, उनका 47 वर्षीय बेटा विवेक, 42 वर्षीय बहू तर्जनी और 16 वर्षीय पोती वार्या (पर्ल) शामिल हैं। वहीं, उनकी बड़ी पोती 20 वर्षीय जीविका (एंजेल), जो दादा को देखने के लिए बेंगलुरु से आई थी, वह भी इस हादसे का शिकार हो गई। इसके अलावा राजस्थान और अन्य जगहों से आए परिवार के 3 और रिश्तेदारों की भी दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई। मैक्स अस्पताल के बाहर मौजूद राजस्थान से पहुंचे अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अपनों को खोने के गम के बीच परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बुजुर्ग राधेश्याम को संभालना है। डॉक्टरों की सख्त सलाह पर राधेश्याम से इस भयानक सच को पूरी तरह छुपाकर रखा गया है।

बंगाल में 'अन्नपूर्णा योजना' की शुरुआत, पहले चरण में 28.25 लाख महिलाओं को मिलेंगे तीन हजार रुपये

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने महिलाओं के लिए बहुप्रतीक्षित 'अन्नपूर्णा योजना' की औपचारिक शुरुआत कर दी। योजना के पहले चरण में पंजीकृत 28.25 लाख लाभार्थी महिलाओं के खातों में हर महीने तीन हजार रुपये की वित्तीय सहायता भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह योजना विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख वादों में शामिल थी। नई योजना ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना का स्थान लिया है। लक्ष्मी भंडार योजना के तहत राज्य की लगभग 2.42 करोड़ महिलाओं को अधिकतम डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता मिलती थी। योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पिछले तीन दिनों में 28.25 लाख महिलाओं का सत्यापन कर उन्हें विशेष पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि अगले तीन महीनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए ब्लॉक विकास कार्यालयों, नगर निकाय कार्यालयों तथा अन्य निर्धारित सरकारी केंद्रों पर आवेदन जमा किए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता के कारण महिलाओं को तीन हजार प्रतिमाह देने का वादा पूरा किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए आवेदन लगातार स्वीकार किए जाएंगे और सत्यापन पूरा होने के बाद सभी पात्र महिलाओं के खातों में राशि हस्तांतरित की जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने नए सिरे से पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया का बचाव करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से स्थायी रूप से हटाए गए कई लोगों को भी पूर्व की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सरकारी धन केवल पात्र भारतीय नागरिकों तक ही पहुंचे और किसी भी गैर-भारतीय को सरकारी योजनाओं का लाभ न मिले। हालांकि मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मामलों पर न्यायाधिकरण में अपील लंबित है तथा बांग्लादेश से आए वे हिंदू शरणार्थी जिन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, वे भी योजना के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान भ्रष्टाचार और कमजोर सत्यापन व्यवस्था के कारण कई अपात्र लोगों, पुरुषों तथा अवैध प्रवासियों तक भी महिलाओं की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनियमितताओं को रोकने के लिए नई सत्यापन प्रणाली लागू की गई है।

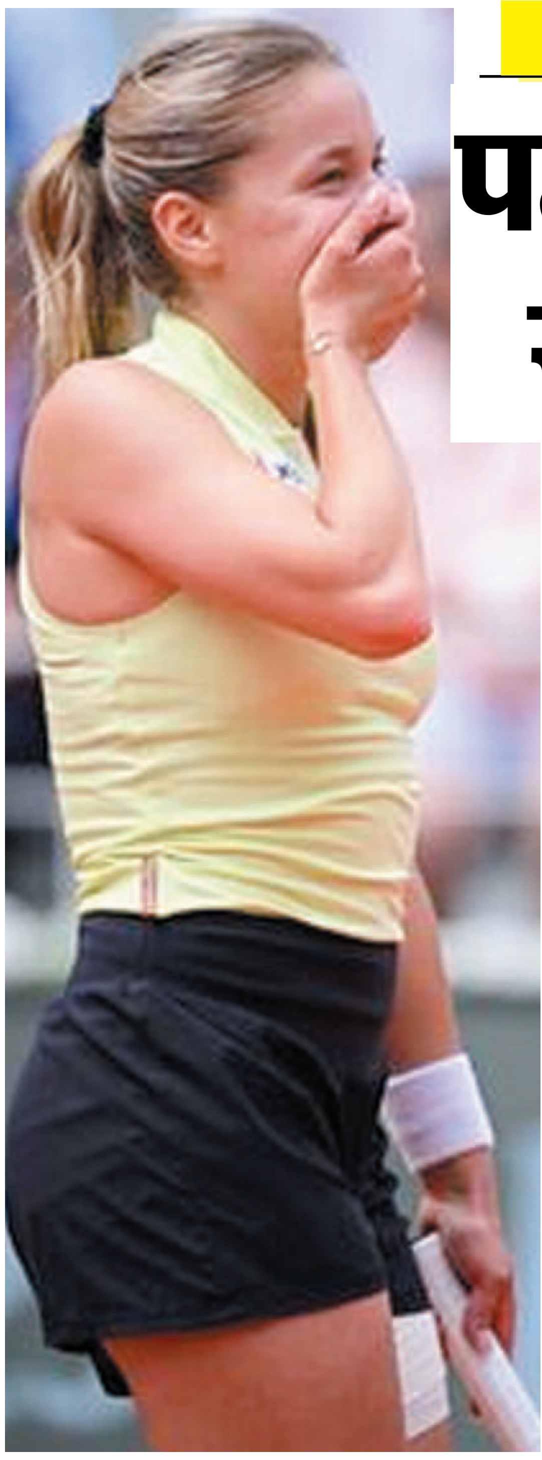

फ्रेंच ओपनः अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला,हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

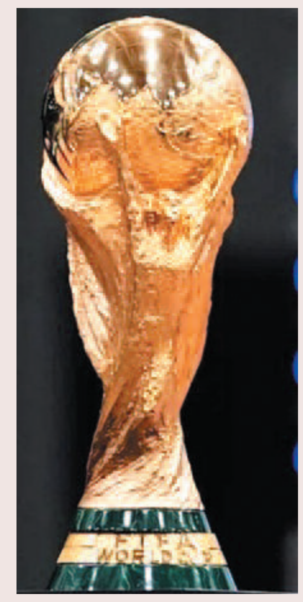

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

'डॉन 3' विवाद के बीच रणवीर ने फरहान को दिया साथ काम करने का ऑफर

रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर के साथ अपने 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इस विवाद के चलते ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। लेकिन अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर से अपने संबंध सुधारने के लिए संपर्क किया है। यही नहीं उन्होंने फरहान के साथ काम करने की इच्छा भी जताई है।

रणवीर ने दिया साथ काम करने का प्रस्ताव

एक रिपोर्ट के अनुसार, विवाद को सुलझाने के लिए रणवीर ने फरहान से बात की और भविष्य में किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई। हालांकि, फिलहाल न तो फरहान और न ही उनकी बहन जोया अख्तर रणवीर के साथ काम करने में रुचि रखते हैं। एक सूत्र ने बताया, 'रणवीर ने फरहान और रणवीर द्वारा आपसी सहमति से चुनी गई एक और फिल्म का प्रस्ताव रखा। रणवीर ने फरहान की बहन जोया अख्तर के साथ भी फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, जिनके साथ उन्होंने पहले गली बॉय में काम किया है। यह प्रस्ताव फरहान और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी दोनों को दिया गया था, लेकिन दोनों ने तुरंत इसे ठुकरा दिया।'

सलमान खान ने भी किया मामले को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप

करीबी सूत्र ने यह भी दावा किया कि न तो फरहान और न ही जोया रणवीर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। यह खबर उस दिन के एक दिन बाद आई है जब यह पता चला था कि सलमान खान ने भी रणवीर और फरहान की सुलह कराने का प्रयास किया है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने हाल ही में दोनों पक्षों से बात की और उनसे शांति से अपने मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।

विक्रम की फिल्म में फैशन फोटोग्राफर बनीं सैयामी खेर

सैयामी खेर की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम फडणिस कर रहे हैं। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सामने आए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। जारी लुक में सैयामी प्रोफेशनल कैमरा थामे नजर आ रही हैं। फिल्म में वह एक फैशन फोटोग्राफर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। सैयामी ने फिल्म को लेकर कहा कि जैसे ही विक्रम ने उन्हें कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके जैसे कलाकारों को अक्सर इतने मजबूत और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिल रही हैं। फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए। समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

अभिनेता के रूप में हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करता हूं

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।' इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है। इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।' उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, 'उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–

अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।